नई दिल्ली

रविवार, 9 नवंबर, 2025

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, चतुर्थी, वर्ष : 29, अंक : 206

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 11

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भारत से भूटान पहुंचे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के करेंगे दर्शन

अगले सप्ताह 11 से 12 नवंबर तक होगी प्रधानमंत्री मोदी की भूटान यात्रा

हाेंगी कुछ महत्वपूर्ण बैठकें, द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी मजबूती

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक स्तर पर बनी हुई चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह 11 से 12 नवंबर तक भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रहेंगे। जिसके जरिए दोनों देशों के बीच मौजूद विशेष दोस्ती और आपसी सहयोग को मजबूती मिलेगी। भारत-भूटान का यह संबंध उनके बीच परस्पर आधार पर नियमित रूप से होने वाले उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय आदान-प्रदान पर आधारित है। प्रधानमंत्री की ये भूटान यात्रा इसलिए भी खास होगी। क्योंकि यह एक ऐसे समय पर हो रही है जब भगवान गौतम बुद्ध के पवित्र पिपरहवा के अवशेष पूरे सम्मान के साथ शनिवार को भूटान पहुंचे हैं। अब वह भी राजधानी थिम्पू में इनकी पूजा अर्चना करेंगे। साथ ही उनकी भूटान सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले विश्व शांति प्रार्थना उत्सव में भी भागीदारी देखने को मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

पुनात्सांगछू परियोजना का करेंगे उद्घाटन

मंत्रालय ने बताया कि इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी के भूटान में कई अन्य कार्यक्रम भी रहेंगे। जिसमें सबसे पहले वह भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ मिलकर पुनात्सांगछू-द्वितीय हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना को भारत और भूटान की सरकार ने संयुक्त रूप से बनाया है। भूटान के चौथे राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिन के आयोजनों में भी पीएम मोदी शिरकत करेंगे। इसके अलावा भारत के प्रधानमंत्री की भूटान के अपने समकक्ष प्रधानमंत्री टोबगे शेरिंग से भी मुलाकात होगी।

धार्मिक विरासत को बांटते दोनों देश

भारत और भूटान एक अनोखी और विशेष साझेदारी आपस में साझा करते हैं। जिसकी नींव आपसी विश्वास, सद्भावना और एक-दूसरे को दिए जाने वाले सम्मान पर टिकी हुई है। दोनों धार्मिक विरासत को भी एक-दूसरे के साथ साझा करते है और इस साझेदारी का प्रमाणिक चिन्ह भारत-भूटान के आम लोगों के बीच स्थापित मधुर संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह भूटान यात्रा दोनों पक्षों को यह अवसर प्रदान करेगी। जिससे वह अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को और अधिक मजबूती प्रदान करने के उपायों पर विचार- विमर्श कर सकेंगे। इसके अलावा इससे दोनों पड़ोसी देशों को एक ऐसा मौका भी मिलेगा। जिससे वह क्षेत्रीय से लेकर साझा हितों वाले व्यापक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

विपक्ष ने छोटे शीतकालीन सत्र पर केंद्र को घेरा

1 दिसंबर से शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र, 19 दिसंबर तक चलेगा, 15 बैठकें, कई अहम विधेयक किए जाएंगे पेश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इसकी औपचारिक घोषणा की। इस बार सत्र की कुल 15 बैठकें होंगी। केंद्र सरकार ने इस सत्र को "संक्षिप्त लेकिन सार्थक" बताया है। वहीं विपक्ष ने कहा है कि इतनी कम अवधि में बड़े-बड़े मुद्दों पर चर्चा संभव नहीं होगी और यह सत्र "बहस से बचने" की कोशिश लगता है।

कई महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी

सूत्रों के अनुसार, सरकार इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी में है। इनमें संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 शामिल है। साथ ही वित्तीय और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कुछ अन्य बिलों पर भी चर्चा की संभावना है। केंद्र सरकार जन-विश्वास, दिवालियापन एवं ऋण सुधार, और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संशोधन विधेयकों को प्राथमिकता दे सकती है। संसदीय शीतकालीन सत्र तक बिहार में नए सरकार का गठन हो चुका होगा। विपक्ष की सरकार बनेगी तो महागठबंधन के तेवर आक्रामक होंगे। राजग की सरकार बनी तो केंद्र सरकार के तेवर देखने लायक होंगे।

छोटा सत्र, विपक्ष का कटाक्ष

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा, 'मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि शीतकालीन सत्र इतनी देरी से बुलाया गया। हमेशा 20 से 23 नवंबर के बीच इसे बुलाया जाता है। 3 से 4 हफ्तों तक चलता है। आश्चर्य हुआ कि इस बार 1 दिसंबर तक सत्र शुरू होगा और इसमें कार्यवाही सिर्फ 15 दिनों तक चलेगी... मुझे समझ नहीं आता कि सरकार किस चीज से भाग रही है!' उन्होंने कहा, 'क्या दिल्ली के प्रदूषण की वजह से सत्र घटा दिया गया है? क्या कोई विधेयक या बिल नहीं है? बहस के लिए कोई विषय नहीं है?...वे केवल इसे जल्द ▶▶ शेष पेज 5 पर

कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी

विपक्ष शीतकालीन सत्र में वोट चोरी, महाराष्ट्र के पुणे में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित भूमि की गैरकानूनी ख़रीदी, महंगाई, बेरोजगारी, चुनावी मतदाता सूची में गड़बड़ी (एसआईआर अभियान) और यूरिया की कमी सहित किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने कहा है कि यह सत्र बहुत छोटा है और सरकार चर्चा से बचने की रणनीति अपना रही है।

विपक्ष आक्रामक

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि समय कम होने के बावजूद यह सत्र बेहद अहम होगा। यह सत्र सरकार के लिए विधायी उत्पादकता दिखाने का मौका है, वहीं विपक्ष के लिए जनहित के ▶▶ शेष पेज 5 पर

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो ने किया यह खुलासा

इंदिरा गांधी की एक गलती से पाकिस्तान बना 'परमाणु शक्ति' संपन्न देश...

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पाकिस्तान द्वारा गुपचुप और अवैध ढंग से किए जा रहे परमाणु हथियारों के परीक्षण को लेकर दिए गए एक हालिया बयान के बाद मामले को लेकर दुनिया में छिड़ी बहस के बीच अब अमेरिका से ही इस संबंध में एक और विस्फोटक खुलासा किया गया है। जिसमें अमेरिका की खुफिया एजेंसी 'केंद्रीय खुफिया एजेंसी' (सीआईए) के एक पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो ने ये दावा किया है कि वर्ष 1980 के दशक में भारत और इजरायल संयुक्त रूप से पाकिस्तान के कहुटा परमाणु संयंत्र पर हमला करना चाहते थे। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसकी अनुमति प्रदान नहीं की। जो उनका एक अत्यंत अफसोसजनक कदम था। क्योंकि अगर ऐसा हो जाता तो बहुत सारी समस्याएं हल हो जाती यानी क्षेत्र में पाकिस्तान कभी भी परमाणु शक्ति वाला राष्ट्र नहीं बन पाता। बार्लो ने ये जानकारी एक निजी न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में दी है। कहुटा पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम का एक अहम केंद्र है। जहां से उसने दशकों पहले अपने परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत की थी। पाकिस्तानी का परमाणु हथियारों का विकास करने के पीछे का उद्देश्य भारत से मुकाबला करना था।

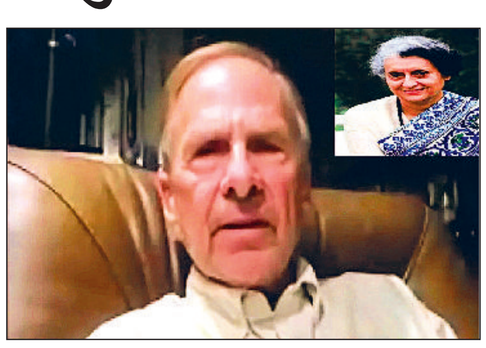

यूं चिंतित थे अमेरिका -इजरायल

पाकिस्तान के कहुटा संयंत्र के जरिए परमाणु क्षमता हासिल करने से सिर्फ भारत ही नहीं इजरायल और अमेरिका भी उस दौर में खासे चिंतित थे। भारत की तरफ से इस साइट पर हमले की इजाजत नहीं दी गई थी। लेकिन इजरायल पाकिस्तान के इस संयंत्र को इसलिए ▶▶ शेष पेज 5 पर

ट्रंप के दावे पर सतर्क भारत

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के उक्त दावे को लेकर भारत ने बीते शुक्रवार को अपना पक्ष रखा था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि अवैध और चोरी-छिपे परमाणु हथियारों का परीक्षण करना पाकिस्तान का इतिहास होने के साथ ही उसकी पुरानी आदत का हिस्सा है। भारत राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी को लेकर सतर्क है और हमने इस संबंध में लगातार अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दशकों से गुपचुप तरीके से परमाणु परीक्षण करने के अलावा अवैध ढंग से तस्करी और निर्यात नियंत्रण का उल्लंघन कर रहा है। पड़ोसी शत्रु देश का ध्यान अवैध साझेदारियां बनाने के अलावा ए.क्यू. खान. नेटवर्क और परमाणु प्रसार पर केंद्रित है।

सेवा से बाहर था, लेकिन जानकारी पूरी थी

रिचर्ड बार्लो ने यह भी बताया कि 1980 के दशक (1982 से 1985 तक) में, मैं हालांकि अमेरिका में सरकारी सेवा से बाहर था। जिसके चलते मैं कभी इस मामले में गहराई से शामिल नहीं हुआ। लेकिन मैंने अपने देश के खुफिया हलकों से इस बारे में सुना था, मुझे जानकारी थी। हालांकि उस वक्त ऐसा कुछ हुआ नहीं। क्योंकि उसके लिए मंजूरी नहीं दी गई थी। लेकिन अगर ऐसा होता तो कई समस्याएं हल हो जाती। उनका इशारा साफ तौर पर पाकिस्तान की ओर था कि वो परमाणु ताकत वाले देश के रूप में दुनिया के नक्शे पर नहीं उभरता। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमले की प्रारंभिक योजना के तहत इजरायली विमानों को अरब सागर के रास्ते भारत के गुजरात राज्य के जामनगर एयरबेस पर लैंड करना था। वहां से उधमपुर होते हुए पाकिस्तान पर हमला किया जाना था। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की सीधी भूमिका तो नहीं थी। लेकिन जमीनी स्तर पर उसके एयरबेस से लेकर देश की हवाई सीमा का हमले के लिए इस्तेमाल किया जाना था। जिसकी भारत की तरफ से मंजूरी नहीं दी गई थी। पाकिस्तान से पहले इजरायल ने इराक के परमाणु ठिकानों पर हमला कर उन्हें भी नष्ट किया था।

बड़े पैमाने पर अपनी रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन करेगा नौसेना का जंगी बेड़ा

इस बार केरल के तिरुवनंतपुरम में मनेगा नौसेना दिवस समारोह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इस वर्ष 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना अपना स्थापना दिवस समारोह केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित शंगुमुघम समुद्र तट पर मनाएगी। जिसमें उसके जंगी बेड़े की युद्धक क्षमता की गूंज भी जोरदार अंदाज में सुनाई देगी। नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी इसमें शिरकत करेंगे। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भी इस आयोजन में शामिल होने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद आयोजित किया जाना वाला नौसेना का यह एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा। जिसके जरिए देश के नागरिकों को नौसेना के बहुक्षेत्रीय अभियानों के विभिन्न पहलुओं का गवाह बनने का एक अनोखा अवसर मिलेगा। शनिवार को एक बयान जारी कर नौसेना ने यह जानकारी दी है।

नौसेनादिवस मनाने की असली वजहः वर्ष 1971 के भारत और पाकिस्तान युद्ध में नौसेना द्वारा निभाई गई निर्णायक भूमिका की याद में हर साल 4 दिसंबर को नौसेनादिवस मनाया जाता है। उस वक्त ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चलती ट्रेन से टकराई चील, विंडस्क्रीन टूटी

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर में चलती हुई ट्रेन से एक चील टकरा गई।

इससे ट्रेन के इंजन का शीशा टूट गया। इससे लोकोपायलट विशाल घायल हो गया। ट्रेन बारामूला से बनिहाल जा रही थी। बिजबेहरा और अनंतनाग के बीच चील टकरा गई।

10 नवंबर को नई दिल्ली में 16 डीपीएसयू के साथ रक्षा मंत्री करेंगे समीक्षा बैठक

राजनाथ का डीपीएसयू को अहम संदेश, निवेश संग शोध के लिए बढ़ाएं मैनपावर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन की सीमाओं से मिलती युद्ध की साझा चुनौती के बीच रक्षा क्षेत्र में

बुलंद होते आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के सरकारी नारे के बीच अगले सप्ताह सोमवार (10 नवंबर) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राष्ट्रीय राजधानी में रक्षा क्षेत्र के कुल 16 सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) की वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

मौजूदा वर्ष 2025 को उन्होंने पहले ही 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया हुआ है। जिसके तहत डीपीएसयू द्वारा नई ▶▶ शेष पेज 5 पर

दोगुनी होगी शोध-अनुसंधान की रफ्तार

केंद्रीय मंत्री के आह्वान के बीच सभी डीपीएसयू ने एक पंचवर्षीय रोडमैप तैयार किया है। वहीं, बीते एक दशक की बात करें तो उस दौरान सभी ने लगभग 30 हजार 952 करोड़ रुपए का निवेश शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में किया है। लेकिन अब इसे दोगुना करने का प्रस्ताव है। जिसके तहत अगले पांच वर्षों के लिए प्रस्तावित लागत 32 हजार 766 करोड़ ▶▶ शेष पेज 5 पर

जारी की जाएगी स्वयं नामक रिपोर्ट

बैठक में रक्षा मंत्री नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर एक रिपोर्ट भी जारी करेंगे। जिसका शीर्षक स्वयं होगा। यह रिपोर्ट रक्षा उत्पादन विभाग का पहला प्रयास होगा। जिसके जरिए सभी डीपीएसयू की ऊर्जा क्षमताओं से संबंधित पद्धतियों का आकलन प्रस्तुत किया जाएगा। बीते एक दशक में हुई और आगामी पांच वर्षों में होने वाली रक्षा शोध-अनुसंधान परियोजनाओं की योजना को लेकर भी एक रिपोर्ट जारी की जाएगी। एचएएल का नया मैनुअल भी रक्षा मंत्री द्वारा जारी किया ▶▶ शेष पेज 5 पर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने भी शुभकामनाएं दी

98 साल के हुए लालकृष्ण आडवाणी, पीएम मोदी ने घर जाकर दी जन्मदिन की बधाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार शाम को भारत रत्न और वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। आडवाणी शनिवार को 98 वर्ष के हो गए हैं।

पीएम मोदी ने आडवाणी को बधाई देते हुए एक्स पोस्ट में कहा, 'महान दृष्टिकोण और तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता वाले राजनेता आडवाणी जी का जीवन

भारत की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने निस्वार्थ कर्तव्य और दृढ़ सिद्धांतों की भावना को सदैव ▶▶ शेष पेज 5 पर

असंख्य कार्यकर्ताओं को गढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आपका संपूर्ण जीवन शुचिता, नैतिकता और राष्ट्रप्रेम की जीवंत अभिव्यक्ति है। अपने समर्पण और कठिन परिश्रम से देशभर में संगठन सींचने और असंख्य कार्यकर्ताओं को गढ़ने में आपका महत्वपूर्ण योगदान हम सभी के लिए प्रेरणीय है। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना ▶▶ शेष पेज 5 पर

लग्जरी कारों से चुराते थे कीमती सामान

‘ठक-ठक’ गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में व्यापारियों और जौहरियों की लग्जरी कारों से कीमती सामान चुराने वाले कुख्यात ‘ठक-ठक’ गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हाल के महीनों में दक्षिणी दिल्ली और आसपास के इलाकों में चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं। ‘ठक-ठक’ गिरोह पीड़ितों का ध्यान आकर्षित करने के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करता था, जैसे खिड़की के शीशे तोड़ना, टायर पंचर करना या कार के बोनट पर तेल डालना।

दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंकित चौहान ने बताया कि जब पीड़ित कार से बाहर देखने आते थे तो आरोपी तेजी से कीमती सामान उठा लेते थे और चोरी की मोटरसाइकिल पर वहां से फरार हो जाते थे। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) (चोरी) के तहत मामला दर्ज

किया गया है। डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान, टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी का विश्लेषण किया और मानव खुफिया जानकारी जुटाई। उन्होंने बताया कि छह नवंबर को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने पुष्प विहार में नाला रोड के पास जाल बिछाया, जहां दोनों आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों पर शाम करीब साढ़े छह बजे पहुंचे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया तो उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया। उनके कब्जे से दो सुनहरे रंग की धातु की बालियां, एक सोने की अंगूठी, दो चोरी किए गए मोबाइल फोन और एक कलाई घड़ी बरामद की गई। वे जिन मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल कर रहे थे, वे भी चोरी की पाई गईं।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों मदनगीर निवासी विशाल उर्फ लल्ला (22) और साहिल (22) को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि विशाल के खिलाफ पहले भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि साहिल चोरी, छीनाझपटी और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन के नौ मामलों में संलिप्त पाया गया है। पुलिस ने बताया कि इन गिरफ्तारियों से हौज खास, टिगरी, साउथ कैंपस, चाणक्यपुरी, वसंत विहार और सनलाइट कॉलोनी पुलिस थानों में दर्ज छह मामलों को सुलझाने में मदद मिली है।

व्यक्ति और उसके दोस्त पर हमला करने के आरोप में दो लोग चढ़े हत्थे

एजेंसी. नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कबीर नगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते दो व्यक्तियों पर

पेपर कटर से हमला करने के आरोप में एक व्यक्ति और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पुलिस को पांच नवंबर को देर रात लगभग 1.36 बजे घटना के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और पाया कि घायल शाजेब (30) तथा उसके दोस्त शैद (27) को पहले ही अस्पताल ले जाया जा चुका था। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि उनके इलाके के दो व्यक्तियों ने रात करीब 11.30 बजे उन पर धारदार हथियार से हमला किया। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपियों की तलाश के लिए कई पुलिस टीम गठित की गईं।

अधिकारी ने कहा कि तकनीकी जानकारी और स्थानीय खुफिया जानकारी का विश्लेषण करने के बाद, दोनों आरोपियों को कबीर नगर से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान, तौहीद (23) और अजहर अली उर्फ अज्जू (24) ने अपराध कबूल कर लिया तथा पीड़ितों के साथ दुश्मनी होने की बात कही। अधिकारी ने कहा कि उनके कबूलनामे के आधार पर, अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार उनके पास से बरामद कर लिया गया, जो एक पेपर कटर है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले, एक फॉरेंसिक टीम ने सबूत एकत्र करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि अजहर पहले भी दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और विस्तृत जांच जारी है।

महिला का फर्जी सोशल अकाउंट बनाकर बदनाम करने का मामला

पुलिस ने आरोपी को हरियाणा के मानेसर से किया अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने 37 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर अपनी पूर्व कर्मचारी की तस्वीर का इस्तेमाल कर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर उसे (महिला को) ऑनलाइन परेशान करने और उसकी बदनामी करने का आरोप है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने यह हरकत तब की जब महिला ने उससे अपने बकाया वेतन की मांग की।

पुलिस ने बताया कि बिहार के मधुबनी निवासी मोहम्मद साहिद को हरियाणा के मानेसर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से वह स्मार्टफोन भी बरामद किया गया, जिसका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 23 सितंबर को एक महिला की शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें उसने आरोप लगाया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी तस्वीर का इस्तेमाल कर एक फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाया है।

उस अकाउंट से अश्लील और अपमानजनक सामग्री पोस्ट की गयी है और उसके दोस्तों तथा फॉलोवर्स को ‘फॉलो रिक्वेस्ट’ भेजी गईं, ताकि उसकी छवि को धूमिल किया जा सके। पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। जांच के दौरान पुलिस ने फर्जी अकाउंट के डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण किया और सोशल मीडिया मंच से जानकारी हासिल की। जांच में पता चला कि यह

अकाउंट हरियाणा के आईएमटी मानेसर क्षेत्र से संचालित किया जा रहा था।पुलिस ने बताया कि मानेसर क्षेत्र में कई स्थानों पर छापेमारी के बाद आरोपी को 27 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस आयुक्त (डीसीपी) ने कहा कि पूछताछ के दौरान साहिद ने अपराध कबूल लिया। आरोपी ने बताया कि पीड़िता उसकी पूर्व कर्मचारी थी, जो अपना बकाया वेतन मांग रही थी। इस बात से नाराज होकर आरोपी ने उसकी पुरानी तस्वीर का इस्तेमाल कर एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और उसे बदनाम करने के लिए अश्लील सामग्री अपलोड की। पुलिस ने बताया कि उसके कब्जे से बरामद स्मार्टफोन पर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट सक्रिय पाया गया। पुलिस ने बताया कि साहिद मानेसर में एक छोटी फैक्टरी चलाता है।

इसके अलावा, आरोपी के डिजिटल उपकरणों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह इसी तरह के अन्य अपराधों में शामिल तो नहीं था।

कुत्ते ने बच्ची को काटा, अस्पताल में नहीं मिला रेबीज टीका

सिर्फ कागजों में हो रही है कुत्तों पर कार्रवाई, जमीनी स्तर पर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के नरेला ज़ोन के अंतर्गत बांकनेर वार्ड में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि आम लोगों के साथ-साथ अब स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में है।

हाल ही में एक बच्ची को स्कूल जाते वक्त आवारा कुत्तों ने बुरी तरह काट लिया। दिल्ली नगर निगम में बांकनेर वार्ड के पार्षद दिनेश भारद्वाज ने यह जानकारी दी। उन्होंने इस मामले में भाजपा की दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम पर निशाना साधते हुए कहा

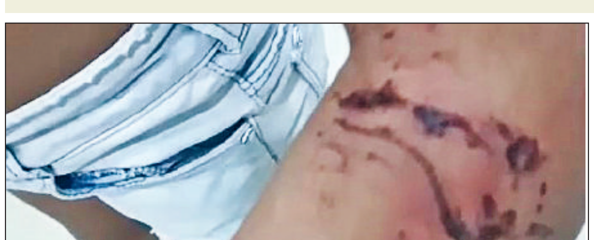

कि घटना के बाद परिजनों ने पीड़ित बच्ची को नरेला स्थित दिल्ली सरकार के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां उन्हें बताया गया कि रेबीज का टीका उपलब्ध नहीं है। मजबूर होकर परिजनों को निजी मेडिकल स्टोर से महंगे दामों पर टीका खरीदकर लगवाना पड़ा। बांकनेर वार्ड के पार्षद दिनेश भारद्वाज ने कुत्तों के आंतक पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार और नगर निगम प्रशासन सिर्फ कागज़ों में आवारा कुत्तों पर कार्रवाई दिखा रहे हैं, जबकि ज़मीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा। हर महीने लाखों रुपये के बजट के बावजूद न तो कुत्तों की पकड़ने की टीम दिखती है, न ही कोई टीकाकरण अभियान। जनता डर के साये में जी रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजधानी के सरकारी अस्पताल में ही रेबीज़ टीका नहीं मिल रहा, तो आम नागरिक अपनी जान की सुरक्षा किससे मांगे?

लोगों में डर और नाराज़गी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मोहल्लों और गलियों में आवारा कुत्तों के झुंड खुलेआम घूमते हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद नरेला ज़ोन के निगम अधिकारी कहते हैं कि “कार्यवाही चल रही है“ लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं दिख रहा है।

जन साधारण आवास योजना फेज-2 के पहले ही दिन चार जगहों के फ्लैट बुक

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा लाई गई जनसाधारण आवास योजना के दूसरे चरण के तहत दिन 7 नवंबर 2025 को बुकिंग शुरू होने के पहले ही दिन रोहिणी, रामगढ़ कॉलोनी और शिवाजी मार्ग के सभी फ्लैट बुक हो गए। डीडीए का दावा है कि फ्लैट बुकिंग शुरू होने के पहले ही दिन कुल मिलाकर पहले 24 घंटों के भीतर 1,000 से अधिक फ्लैट बुक हो गए। अब इस योजना के तहत नरेला में लगभग 200 फ्लैट ही बचे हैं। इस योजना को उपभोक्ताओं द्वारा हाथों हाथ लिए जाने से डीडीए खुश है। इस बारे में डीडीए द्वारा दी गई जानकारी उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना द्वारा योजना प्रगति की समीक्षा की और उनके दिशा निर्देश पर योजना में सुधार किए गए। जिससे ऐसी योजना को जनता से ज़बरदस्त सकारात्मक रिस्पॉन्स मिल रहा है जो प्राधिकरण के लिए खुशी की बात है। एलजी ने खुद पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता, पहुंच और दक्षता सुनिश्चित करने के पैनी नजर रखी और खरा उतरने पर डीडीए के प्रयासों की सराहना की। डीडीए का कहना है कि समाज के सभी वर्गों की आवास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ऐसी पहलों का विस्तार करने के महत्व को दोहराया।

दिल्ली में तथाकथित वोट चोरी मुद्दे पर कराए गए करीब साढ़े 4 लाख लोगों के हस्ताक्षर : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दावा किया है कि अभियान चलाकर दिल्ली में तथाकथित वोट चोरी मुदद पर

करीब साढ़े 4 लाख लोगों के हस्ताक्षर कराए गए है। इस मुददे पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में डीपीसीसी अध्यक्ष यादव ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। यादव ने कहा कि इसी कड़ी में प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली में वोट चोर-गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाकर अभी तक 4 लाख 37 हजार हस्ताक्षर करवाकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भिजवा दिए है। पत्रकारों से यादव ने कहा कि अभियान में आम जनता, रेहड़ी-पटरी वालों, दुकानदारों से लेकर महिलाओं और युवाओं तक समाज के सभी वर्गों का हस्ताक्षर अभियान में उत्साहपूर्ण समर्थन मिला है। यानी राजधानी के 4 लाख 37 हजार लोग राहुल गांधी द्वारा वोट साजिश के मुददे से पूर्ण सहमत है। उन्होंने कहा कि वोट षडयंत्र मामले के खिलाफ देश भर में 5 करोड़ देशवासियों ने हस्ताक्षर करके राहुल गांधी का समर्थन किया है। संवाददाता सम्मेलन में यादव के अलावा एआईसीसी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन , दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा0 नरेन्द्र नाथ व कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज आदि मौजूद थे। यादव ने पत्रकारों को बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सभी 258 ब्लाक कांग्रेस कमेटियों में हस्ताक्षर के लिए घर-घर दस्तक दी।

रेल पहिया कारखाना/बेला
(जिला - सारण), बिहार - 841221

खुली ई–निविदा सूचना सं.: आर डब्ल्यू पी/ भंडार/वर्क्स/एडीमीटी/2025–26/10, दिनांक 04.11.2025 निविदा खुलने की तिथि 05.12.2025 Tender No.: S_RWP_TPT_ ERC_25-26_01A, Due on 05.12.2025 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/रेल पहिया कारखाना, बेला भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से स्क्रैप की ढुलाई हेतु ऑनलाइन **"ई–खुली निविदा"** भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल (आई.आर.ई.पी.एस) www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित करते हैं:– **1. कार्य का नाम, स्थान, मात्रा एवं समापन की अवधि:** भारतीय रेलवे के विभिन्न स्थानों से रेल व्हील प्लांट बेला, सारण, बिहार–841221 तक 0–500 किमी की दूरी स्लैब के अंतर्गत इलास्टिक रेल क्लिप्स (ईआरसी), मात्रा 3500 मीट्रिक टन का संग्रहण, लदान और परिवहन (औसत लीड दूरी 250 किमी लेते हुए) **नोटः**– गंतव्य पर उतराई रेलवे द्वारा की जाएगी। **समापन अवधि:** एल.ओ.ए. के निर्गत तिथि से 12 माह। **2. अनुमानित लागत:** रु. 55,30,000.00 **3. ब्याना (ई एम डी) की राशि:** रु. 1,10,600/– **4. निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 05.12.2025 up to 14:15 hrs. **5. वेबसाईट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा की पूर्ण विवरणी देखी जा सकती है:** निविदा की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा जमा करने हेतु आईआरईपीएस के आधिकारिक वेबसाईट अर्थात www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। बोली प्रस्तुत करने वाली भावी कंपनियों को ऊपर की निविदाओं के संबंध में शुद्धिपत्र सहित अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल (www.ireps.gov.in) के साथ संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ऐसी जानकारी समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जाएगी।

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/रेपका/बेला
आरडब्ल्यूपी/सीपीआरओ/ए डी मी टी/2025–26/75

20 लाख की ठगी के आरोप में ओडिशा से पकड़े गए दो लोग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- व्यापारी को चावल खरीदने के बहाने लगाया चुना
- जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने आरोपी द्वारा दिए गए बिल और जाली दस्तावेज किए पेश

कृषि उत्पाद बेचने वाली एक कंपनी के प्रतिनिधि बनकर एक चावल व्यापारी से 20 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने ओडिशा के भुवनेश्वर से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को बृहस्पतिवार को पकड़ा गया और उनकी पहचान लखनऊ निवासी बासुदेव स्वैन (35) तथा वाराणसी निवासी दीपक कुमार (40) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में चावल और खाद्य आपूर्ति का व्यवसाय करने वाले शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि स्वैन तथा कुमार ने सह-आरोपी अमित कुमार सिंह के साथ मिलकर ‘स्मार्टवैल्यू लिमिटेड’ के अधिकारी बनकर उससे संपर्क किया। आरोपियों ने दावा किया कि कंपनी चावल खरीदना चाहती है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिमी) भीष्म सिंह ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उनकी साख पर भरोसा करते हुए उचित बिलों पर लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के चावल की आपूर्ति की। हालांकि बाद में आरोपियों ने अपने फोन बंद कर दिए और संपर्क से बाहर हो गए। उन्होंने बताया कि सत्यापन के बाद पता चला कि आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए दस्तावेज मुहर जाली हैं तथा उनमें से कोई भी कंपनी से संबद्ध नहीं था। सिंह ने कहा कि आरोपियों पर धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने आरोपी द्वारा दिए गए बिल और जाली दस्तावेज पेश किए। सिंह ने बताया कि ‘स्मार्टवैल्यू लिमिटेड’ के अधिकृत प्रतिनिधि ने लिखित रूप से पुष्टि की है कि आरोपी किसी भी रूप में कंपनी से जुड़े नहीं हैं।

इस सीजन का सबसे कम न्यूनतम तापमान हुआ दर्ज, पारा गिरकर पहुंचा 11 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। शनिवार 8 नवंबर 2025 को सर्दी के इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह के रूप में दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री लुढ़क कर 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि दिन का अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2.3 डिग्री लुढ़क कर 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यानी शनिवार इस मौसम का सबसे ठंडा दिन रहा। सुबह तेज सर्द हवाएं चली और कई क्षेत्रों में कोहरा छाया रहा है। जबकि शुक्रवार व गुरुवार को न्यूनतम पारा 12 डिग्री रहा था। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जिसके चलते दिल्ली सहित उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे मैदानी इलाकों में भी बादलों की आवाजाही और सतही हवाओं के चलने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर में बादलों की आवाजाही जारी है, लेकिन पिछले दो दिनों से बारिश नहीं हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिनों तक बादल छाए रहने के साथ तेज हवाएं चलेंगी और ठंड का अहसास और ज्यादा बढ़ेगा, हालांकि बारिश को लेकर कोई शंका नहीं जताई गई है। सर्दी बढ़ने के बाद अब लोगों ने गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए है। सुबह के समय सर्दी के चलते स्कूली बच्चों, सैर पर निकले लोग व नौकरी आदि पर आने जाने वालों को गर्म कपड़े पहने हुए देखा जा सकता है।

विश्व आर्चरी एसोसिएशन के कार्यकारी बोर्ड सदस्य चुने गये सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विश्व खेल जगत में भारत के लिए एक सुनहरा दिन रहा जब दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष एवं आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव वीरेन्द्र सचदेवा को ढाका बांग्लादेश में हुई बैठक में विश्व आर्चरी एशिया का

कार्यकारी बोर्ड सदस्य चुना गया। शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सचदेवा के चुनाव की विशेषता यह रही कि वह सर्वाधिक वोटों से विश्व आर्चरी एशिया के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य चुने गये हैं। इसके अलावा सचदेवा के साथ पांच अन्य भारतीय विश्व आर्चरी एशिया के विभिन्न पदों पर चुने गये हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **समीर, पुत्र सारिफ निवासी झुग्गी नं. 391, शशि गार्डन, पटपड़गंज, मधु विहार, पूर्व दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 140/2023, भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **समीर** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **समीर** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 140/2023, भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना मधु विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **समीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.12.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री उद्धभव कुमार जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04
कमरा नं.13, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/14981/ED/2025

बर्ड फ्लू का पता चलने के बाद उद्यान को कर दिया गया था बंद

दो महीने बाद चिड़ियाघर फिर से आगंतुकों के लिए खुला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान दो महीने से अधिक समय तक बंद रहने के बाद शनिवार को फिर से आगंतुकों के लिए खोल दिया गया है। एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) का पता चलने के बाद उद्यान को बंद कर दिया गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जलपक्षियों के बाड़े में कई पक्षियों की मौत की मौत के बाद एहतियात के तौर पर चिड़ियाघर को 30 अगस्त से बंद कर दिया गया था।

चिड़ियाघर ने एक बयान में कहा कि सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रीय प्राणी उद्यान को आठ नवंबर से आगंतुकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। बयान में यह भी कहा गया कि सख्त जैव-सुरक्षा और निवारक उपाय जारी रहेंगे। अधिकारियों ने कड़ी सफाई, निगरानी और कई दौर के परीक्षण किए, जो पशुधन, मत्स्य और दुग्ध मंत्रालय

द्वारा जारी एवियन इन्फ्लूएंजा की तैयारी, नियंत्रण और संगरोध हेतु कार्ययोजना (संशोधित 2021) के तहत किये गए। शुरुआती प्रकोप के बाद एकत्र किए गए नमूनों का परीक्षण भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान में किया गया। परीक्षण में नमूनों के संक्रमण रहित पाए जाने के बाद चिड़ियाघर को फिर से खोलने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि ‘एच5एन1’ एवियन इन्फ्लूएंजा से संक्रमित आखिरी मामला एक सितंबर को सामने आया था। तब से पक्षियों के बाड़ों और विभिन्न पिंजरों/बाड़ों से बिना बारी के नमूने लिए गए और और अब तक इन सभी की जांच नकारात्मक आई।

चिड़ियाघर में 28 से 31 अगस्त के बीच कम से कम 12 पक्षियों की मौत दर्ज की गई थी। जिनमें रंगबिरंगे सारस और ब्लैक-हेडेड आइबिस (काले गर्दन और सर वाला सफेद पक्षी) शामिल थे। इनमें से चार नमूनों में बर्ड फ्लू से संक्रमित पाए गए थे।

इसके कारण उद्यान को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। हाल के वर्षों में एवियन इन्फ्लूएंजा के कारण दिल्ली चिड़ियाघर को तीसरी बार बंद किया गया। इससे पहले 2016 और 2021 में भी इसी तरह बंद किया गया था। यह चिड़ियाघर 1959 में स्थापित किया गया था जो राजधानी के केंद्र में 176 एकड़ में फैला हुआ है जिसमें पशुओं, पक्षियों और सरीसृपों की 96 प्रजातियां हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रमुख सिंह, पुत्रः कन्हैया सिंह, पताः एफ–77 झुग्गी, नेहरू कैंप, आई.पी. एक्सटेंशन, मंडावली, दिल्ली** ने **FIR No. 17/2018, U/s 135 I.E. Act, पुलिस थाना मंडावली, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रमुख सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्षित कर दिया गया है कि उक्त **प्रमुख सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR No. 17/2018, U/s 135 I.E. Act, पुलिस थाना मंडावली, दिल्ली** के अभियुक्त **प्रमुख सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री आशीष रस्तोगी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
कमरा नं. 05, प्रथम तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15016/ED/2025

खबर संक्षेप

डीटीसी अपने कई डिपो में बनाएगी ईवी चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) अब अपने चुनिंदा बस डिपो में भारी मालवाहक वाहनों को रिचार्ज करने के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने जा रही है। इसके लिए डीटीसी ने करीब 9 डिपो को चुना है जिनमें ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना है। जबकि इससे पहले सितंबर 2025 में ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीटीसी डिपो में छह नए स्विचिंग सब स्टेशन का उद्घाटन किया था। डीटीसी सूत्रों का कहना है कि इनमें हसनपुर डिपो, नांगलोई, कालकाजी, रोहिणी सेक्टर 37, नंद नगरी, सुखदेव विहार, गाजीपुर और केशोपुर, डिपो शामिल हैं।

'जहां जरूरत है वहां कराई जाएगी फॉगिंग'

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नरेला जोन क्षेत्र में यदि इन दिनों भी कहीं मच्छर पनप रहे हैं या मच्छरों की अधिकता या फिर आतंक है तो बता सकते हैं। जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी वहां फॉगिंग शुरू कर देंगे। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन में कार्यरत उप स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ माधुरी पंत ने शुक्रवार को आयोजित वार्ड समिति की बैठक में पार्षदों के सवाल उठाने पर यह जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में जागरूकता और समय समय पर सभी अधिकारियों और जनता के सहयोग के चलते मच्छरों पर नियंत्रण रहा। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार जागरूकता रहेगी।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास भीषण आग से सैकड़ों झुग्गियां खाक, एक की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- पर्याप्त टीम तैनात करके आग पर पूरी तरह पा लिया गया है काबू, घटना से प्रभावित लोगों को प्रदान की जा रही राहत : रेखा गुप्ता

दिल्ली के रोहिणी में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास लगभग 500 झुग्गियों में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति झुलस गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शुक्रवार देर शाम लगी आग पर पर्याप्त टीम तैनात करके पूरी तरह काबू पा लिया गया है और घटना से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान की जा रही है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है और राहत एवं पुनर्वास कार्य तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित लोगों को भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया है तथा उनके लिए अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, ऐसा बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात कई एलपीजी सिलेंडर फट गए, जिससे आग और भड़क गई तथा निवासियों में दहशत फैल गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इलाके से धुएं का घना गुबार उठता देखा गया तथा स्थानीय लोग अपना सामान बचाने और सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 400 से 500 झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, उन्हें रात 10 बजकर 56 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद कई दमकल गाड़ियां और अग्निशमन रोबोट घटनास्थल पर भेजे गए। पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी तथा आग को और अधिक फैलने से रोकने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां तैयार रखी गईं। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर सुबह तक काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा कि मुन्ना नाम के व्यक्ति की आग में जलकर मौत हो गई तथा राजेश नाम का एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों के लिए भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई है। अस्थायी आश्रय स्थल स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि रिठाला सामुदायिक केंद्र में स्थायी राहत केंद्र चालू है।

जहांगीरपुरी स्थित बैंक्वेट हॉल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी. नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में स्थित एक बैंक्वेट हॉल में शनिवार सुबह आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने चार दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। यह जानकारी दिल्ली दमकल सेवा के एकअधिकारी ने दी। अधिकारियों ने बताया कि नाथूपुरा स्थित वरदान पैलेस में आग लगने की सूचना सुबह करीब 6.41 बजे मिली। अधिकारियों ने बताया कि आग एक अस्थायी टिन-शेड से शुरू हुई और बैंक्वेट हॉल परिसर में लगभग 1,500 वर्ग गज में फैल गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर सुबह करीब 7.50 बजे तक काबू पा लिया गया और अग्निशमन अभियान सुबह 8.20 बजे समाप्त हो गया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

एमसीडी ने अलग-अलग जोनों में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के विभिन्न जोनों ने शनिवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इन अभियानों का उद्देश्य शहर में स्वच्छता बनाए रखना और नागरिकों को स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। इस अभियान में एमसीडी अधिकारियों, सफाई कर्मियों के साथ-साथ लोक निर्माण विभाग और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड जैसे विभागों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। रोहिणी जोन के उपायुक्त के निर्देशन में वार्ड संख्या 23, रिठाला क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस अभियान में कुल 90 सफाई कर्मियों ने भाग लिया। अभियान के दौरान 1 लोडर, 4 ऑटो टिपर, 1 ई-रिक्शा, 2 बीओवी और 3 ट्रैक्टर जैसी मशीनों का उपयोग किया गया। सड़क, गलियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर क्षेत्र में स्वच्छता और कचरा निस्तारण सुनिश्चित किया गया। सिटी एसपी जोन में अरुणा नगर और मजनूं का टीला (वार्ड संख्या 73) में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में लगभग 130 सफाई कर्मचारी शामिल हुए, जिसकी निगरानी दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने की।

दक्षिण जोन में आर.के. पुरम स्थित एकता विहार क्षेत्र में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। लगभग 5 किलोमीटर क्षेत्र में किए गए इस अभियान को एमसीडी, पीडब्ल्यूडी और डीयूएसआईबी के संयुक्त सहयोग से पूरा किया गया। इन व्यापक प्रयासों के माध्यम से एमसीडी ने पुनः यह संकल्प दोहराया कि वह दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए लगातार ऐसे अभियान चलाता रहेगा और नागरिकों से भी अपील करता है कि वे शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

राजधानी में लगातार हवा बनी हुई है जहरीली, एक्यूआई बेहद खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार हवा जहरीली बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक शनिवार सुबह 7 बजे औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 336 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। सीपीसीबी की माने तो दिल्ली शहर में सुबह के समय कई क्षेत्रों में जहरीली हवा के चलते एक्यूआई 350 से ऊपर दर्ज हुआ। राजधानी दिल्ली की हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। सुबह 7 बजे तक आनंद विहार में 355, अशोक विहार 358, बवाना 403, बुरारी 373, जहांगीरपुरी 365, मुंडका 377 और वजीरपुर 378 एक्यूआई दर्ज हुआ जो खराब श्रेणी में आता है। इनके अलावा चांदनी चौक 349, द्वारका 320, मंदिर मार्ग 342, मुंडका 377, नरेला 358, ओखला 337, पटपड़गंज 351, पंजाबी बाग 373, आर.के. पुरम 337, रोहिणी 361, सोनिया विहार 365 और वजीरपुर में 378 एक्यूआई दर्ज हुआ। पर्यावरण वैज्ञानिक एस सुंदरम का कहना है कि अब दिल्ली में प्रदूषण का ग्राफ कम नहीं होने वाला। आने वाले दिनों में ठंड बढ़ेगी, जबकि दूसरी तरफ पराली जलाने की घटनाएं भी तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में दिल्ली में वायु प्रदूषण और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार बेशक ग्रेप दो या तीन लागू कर दे, इससे खास फर्क नहीं बढ़ने वाला। अगले चार पांच सप्ताह या उससे भी अधिक समय तक दिल्ली में प्रदूषण का ग्राफ बढ़ता ही जाएगा।

खुले में डाले गए कूड़े कचरे में लगती रहती है आग, प्रदूषण पर निगरानी करने वाला नहीं आ रहा नजर

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए जहां एक ओर दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम ने अपने कार्यालयों में कार्य समय में बदलाव कर संवेदनशीलता दिखाने की कोशिश की है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं के अधिकारी प्रदूषण के वास्तविक कारणों पर आंखें मूंदे बैठे हैं। दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा क्षेत्र और आसपास के इलाकों जैसे सिंघोला, खामपुर, टिकरी खुर्द, बांकनेर आदि में सड़कों के किनारे खुले में डाले गए कूड़े-कचरे में आग लगी रहती है। इन इलाकों में सुबह-शाम उठता काला धुआं लोगों के घरों और सांसों में घुलकर गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा कर रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम द्वारा प्रदूषण नियंत्रण को लेकर दावे जरूर किए जा रहें हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार फाइलों में प्रदूषण पर बैठकें करती है, लेकिन जमीन पर सिर्फ धुआं ही दिखता है। वहीं, विशेषज्ञों के मुताबिक, खुले में कूड़ा जलाना दिल्ली की वायु गुणवत्ता को खतरनाक स्तर तक पहुंचाने वाला प्रमुख कारण है। इसके बावजूद दिल्ली सरकार और नगर निगम के बीच जिम्मेदारी का टालमटोल जारी है। इसे लेकर जागरूक लोगों का कहना है कि अब सवाल यह है कि क्या केवल दफ्तरों के समय बदलने से प्रदूषण पर काबू पाया जा सकेगा, या सरकार को धरातल पर उतरकर कूड़ा जलाने जैसी गंभीर लापरवाहियों पर सख्त कदम उठाने होंगे?

प्रदूषण की रोकथाम के लिए विंटर एक्शन प्लान का सख्ती से हो पालन : डीपीसीसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बहुत खराब वायु गुणवत्ता के बीच शनिवार को प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) विंटर एक्शन प्लान को सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। इस बात की जानकारी शनिवार को डीपीसीसी अध्यक्ष संदीप कुमार और सदस्य सचिव संदीप मिश्रा ने प्रैसवार्ता में दी। प्रैसवार्ता में दिल्ली की मौजूदा वायु गुणवत्ता और सर्दियों के मौसम में प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से की जा रही तैयारियों की जानकारी साझा की गई। डीपीसीसी अध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल वायु गुणवत्ता स्तर में सुधार आया है। डीपीसीसी अधिकारियों ने नवंबर माह के शुरुआती सात दिनों के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) आंकड़े प्रस्तुत किए। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष नवंबर के छह दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रही।

भलस्वा लैंडफिल साइट मामले में महापौर-नेता विपक्ष आमने सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- एमसीडी के खिलाफ आप नेताओं ने थाने में की शिकायत : अंकुश नारंग
- थाने में की गई शिकायत राजनीतिक ड्रामा : महापौर

दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी नेताओं द्वारा थाने में की गई शिकायत राजनीतिक ड्रामा है, जिसका उद्देश्य केवल मीडिया में सुर्खियाँ बटोरना है। जनता अब ऐसे झूठे प्रचारों को भली-भांति समझती है।

महापौर ने कहा कि दिल्ली की जनता गवाह है कि आम आदमी पार्टी ने पिछले 10 वर्षों में कूड़ा प्रबंधन के नाम पर केवल राजनीति की है, जबकि भाजपा और एमसीडी जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं। हम किसी भी प्रकार की अवैध डंपिंग या नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा है कि हम जनता से यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि एमसीडी किसी भी अवैध गतिविधि की अनुमति नहीं देती। यदि कहीं कोई निजी ठेकेदार या व्यक्ति अवैध डंपिंग कर रहा है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने कहा कि आप के नेताओं को राजनीति करने की बजाय जनता को सच्चाई बतानी चाहिए।

वहीं, दूसरी तरफ निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने शनिवार को कहा कि भाजपा सरकार का कूड़े के पहाड़ को खत्म करने का दावा झूठा है। सच ये है कि कूड़े के पहाड़ को काटकर आवासीय प्लाटों में डाला जा रहा है। इससे प्रदूषण बढ़ रहा है और इलाके लोगों को खतरनाक बीमारियां हो रही हैं। इसे लेकर एमसीडी में सह प्रभारी प्रवीण कुमार व प्रीति डोगरा, पार्षद राकेश कुमार समेत तमाम आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस से मांग है कि आवासीय प्लाटों में कूड़ा डालने पर तत्काल रोक लगाई जाए।

'दिल्ली सरकार के किसी भी अस्पताल में दवाओं की नहीं है कोई कमी'

दवाओं का स्टॉक बनाए रखने में लापरवाही बरतने वाले सीएमओ पर होगी सख्त कार्रवाई : डॉ. पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के किसी भी सरकारी अस्पताल में अगर दवाओं और मेडिकल सामग्रियों का स्टॉक बनाए रखने में लापरवाही बरती गई तो संबंधित अस्पताल के मेडिकल निदेशकों और मेडिकल अधीक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह चेतावनी शनिवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली सचिवालय में सभी सरकारी अस्पतालों के मेडिकल निदेशकों एवं मेडिकल अधीक्षकों की बैठक में दी। बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ.पंकज ने बताया कि दिल्ली सरकार के किसी भी अस्पताल में दवाओं या चिकित्सा उपकरणों की कोई कमी नहीं है। दिल्ली सरकार की अनुमोदित दवा सूची के अनुसार, सभी आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं के स्टॉक सभी दिल्ली सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। डॉ. पंकज ने सरकारी अस्पतालों के मेडिकल निदेशकों और मेडिकल अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे समय पर और समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के आगामी महीनों यानी मार्च 2026 तक के लिए आवश्यक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की अपनी आवश्यकताएं 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर दें। मंत्री ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन को दवाओं की दैनिक सूची की निगरानी के लिए सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

आवश्यक दवाओं की कमी की स्थिति में, अनुमोदित केंद्रीय खरीद एजेंसी प्रक्रियाओं के माध्यम से आपूर्ति तुरंत कर दी जाती है। इसके अतिरिक्त, जरूरी आवश्यकताओं को शीघ्रता से निपटाने के लिए आपातकालीन स्थानीय खरीद के प्रावधान भी अधिकृत किए गए हैं।

मरीजों और उनके परिजनों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें अस्पताल

नई दिल्ली। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सरकारी अस्पतालों के मेडिकल निदेशकों और मेडिकल अधीक्षकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें अस्पताल आने वाले हर मरीज के साथ उचित इलाज और देखभाल के साथ पेश आना चाहिए और उनके साथ आए परिजनों के साथ भी सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले हर मरीज को उचित देखभाल और बेहतर इलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलजी ने किया रोशनआरा क्लब का दौरा, सदस्यता प्रक्रिया चालू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल ने हाल ही में नवीनीकृत किए गए रोशनआरा क्लब का शनिवार को दौरा किया, इस मौके पर उन्होंने इतिहास और आतिथ्य के मनोरम मिश्रण की सराहना भी की।

इस अवसर पर एलजी ने कहा कि यह नवीनीकृत स्थान अपने ऐतिहासिक स्वरूप के संरक्षण के साथ-साथ, क्लब हाउस में अब क्रिकेट, टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की मौजूदा सुविधाओं के अतिरिक्त, बिलियर्ड्स, कार्ड रूम और चिल्ड्रन प्ले एरिया जैसी उन्नत खेल और मनोरंजक सुविधा भी उपलब्ध हैं। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार यह नवीनीकृत स्थल क्लब के सदस्यों को आराम करने, विशिष्ट पेय पदार्थों का आनंद लेने और पारंपरिक बहु-व्यंजनों का आनंद लेने के लिए एक आकर्षक वातावरण प्रदान करता है। क्लब हाउस में क्रिकेट, टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की मौजूदा सुविधाओं के अतिरिक्त, बिलियर्ड्स, कार्ड रूम और चिल्ड्रन प्ले एरिया जैसी उन्नत खेल और मनोरंजक सुविधाएं भी प्रदान की गई है।

खबर संक्षेप

इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

बल्लभगढ़। विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल घरौंडा ब्रांच में शनिवार को बड़े उत्साह और उमंग के साथ इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के पिताश्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रूप सिंह नागर तथा गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में एसएचओ छांयसा कृष्ण कुमार और चांदपुर चौकी इंचार्ज उमेश कौशिक उपस्थित रहे।

गांजा बेचने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने कार्रवाही करते हुए 1.450 किलोग्राम गांजा बेचने व उपलब्ध करवाने वाला दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 7 नवंबर को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाही करते हुए विशाल कामत निवासी मधुबनी बिहार को 1.450 किलोग्राम गांजा सहित वजीराबाद रोड नहरपार एरिया से काबू किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में 60 लाख की ठगी

फरीदाबाद। मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में शामिल होने का डर दिखाकर 60 लाख की ठगी करने के मामले में खाताधारक व खाता उपलब्ध करवाने वाले तीन आरोपियों को साइबर थाना बल्लबगढ़ की टीम ने काबू किया है। सेक्टर-9 में रहने वाले एक व्यक्ति ने थाना साइबर बल्लबगढ़ में दी गई अपनी शिकायत में बताया कि 17 दिसबंर को उसके पास एक फोन आया, जिसने बताया कि आपके पास दो मोबाईल नबंर है, एक मोबाईल नबंर मुंबई के पते पर है, इस नवंर में आपके आधार कार्ड का दुरुपयोग किया गया है।

विधायक शर्मा ने मोहना रोड एलिवेटेड पुल पर गार्डर रखने के कार्य का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बल्लभगढ़

मोहना रोड पर बनाए जा रहे एलिवेटेड पुल के निर्माण कार्य में आज एक महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत हुई। पुल पर गार्डर रखने का कार्य शनिवार से प्रारंभ हो गया। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरियाणा पं. मूलचंद शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रोड निर्माण कंपनी के अधिकारी, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी एवं शहर बल्लभगढ़ के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

85 गांवों को भी इस पुल का लाभ मिलेगा

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने कहा कि मोहना रोड पर बन रहा यह एलिवेटेड पुल उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो आने वाले कुछ महीनों में बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा कि इस पुल के बनने से शहर में जाम की समस्या से राहत मिलेगी, वहीं जेवर एयरपोर्ट जाने का मार्ग भी अधिक सुगम होगा। पं. मूलचंद शर्मा ने बताया कि इस पुल से न केवल सेक्टर वासियों को मेट्रो स्टेशन और बस अड्डे तक पहुंचने में आसानी होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 85 गांवों को भी इस पुल का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही मोहना रोड मार्किट के दुकानदारों को भी व्यापारिक लाभ होगा।

विधायक ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं

विधायक ने पुल निर्माण कार्य में जुटे इंजीनियरों और कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और निर्देश दिए कि कार्य को उच्च गुणवत्ता और तेज गति के साथ पूरा किया जाए ताकि जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। इस मौके पर भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, पारस जैन, नॉमिनेट पार्षद योगेश शर्मा, प्रदीप गुप्ता, मोहन, अमित सिंगला, शिव प्रसाद गौड़, राहुल गोयल, एसडीओ रविंद्रा सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का फरीदाबाद में प्रवेश

वंदे मातरम बोले से परहेज करने वाले पाकिस्तान जाएं: पं. धीरेन्द्र शास्त्री

बिजेन्द्र शर्मा ▶▶ फरीदाबाद

दिल्ली से वृंदावन तक सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा बागेश्वर धाम सरकार के धीरेन्द्र शास्त्री के फरीदाबाद की धरा पर पैर पढ़ते ही बोल सक हो गए। उनका कहना था वंदे मातरम हमारी आस्था का केन्द्र है और जो लोग वंदे मातरम बोलने से परहेज करते है। वह पाकिस्तान चले जाए। फरीदाबाद की सीमा पर गांव मांगर में यात्रा के प्रवेश करने पर एनआईटी 86 के विधायक सनातनी सतीश कुमार फागना ने दल-बल के साथ भव्य स्वागत किया। आज रात्रि विश्राम करने के बाद यह यात्रा कल सुबह बल्लभगढ़ होते हुए सीकरी में रात्रि विश्राम करेगी।

यात्रा के दूसरे दिन बागेश्वर धाम पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सभी पदयात्रियों का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और पुरुषार्थ आने वाली पीढ़ियों को संकट से बचाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी कुचक्रों में न फंसे, विधर्मियों की साजिशों का शिकार ना हो इसलिए यह पदयात्रा निकालकर उन्हें जगा कर सनातन से जोड़ रहे हैं। महाराज जी ने कहा कि भारतीय सेवा वेतन के लिए नहीं वतन के लिए कार्य करती है। महाराज ने कहा कि जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ रही है वैसे ही ठाकुर जी नजदीक आ रहे हैं राम जी का मिलन त्रेता, श्याम जी का मिलन द्वापर और हनुमान जी का मिलन कलयुग में हो रहा है।

दिल्ली से वृन्दावन तक सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा बागेश्वर धाम सरकार के धीरेन्द्र शास्त्री भजन करते हुए।

कन्हैया मित्तल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हुए शामिल

बागेश्वर महाराज की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में व्यास पीठ, राजपीठ के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के ख्याति प्राप्त लोग भी शामिल हो रहे हैं। दूसरे दिन की यात्रा में शाम के वक्त मध्य प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय यात्रा में शामिल हुये। उन्होंने कहा कि यह यात्रा देश के बहुसंख्यक लोगों को जोड़ने के लिए है। सभी लोग अपने धर्म के लिए एकजुट हो। वहीं जाने माने प्रख्यात गायक कन्हैया मित्तल ने भी यात्रा में शामिल होकर महाराष्ट्र का आशीर्वाद लिया।

कलयुग के श्रवण कुमार बने बदायूं के दो भाई

त्रेता युग में मातृ पितृ भक्त श्रवण कुमार ने कावड़ में अपने दिव्यांग माता-पिता को बैठाकर संपूर्ण तीर्थ का भ्रमण कराया था। कलियुग के श्रवण कुमार बदायूं के तेजपाल और उसके भाई धीरज ने बताया कि उनकी माता राजेश्वरी देवी पैरों से चल नहीं सकती लेकिन उसके मन में इच्छा थी कि वह बागेश्वर महाराज की पदयात्रा में शामिल हो। राजेश्वरी देवी ने अपने बेटों से कहा कि एक गाड़ी कर दो ताकि वह यात्रा में जा सके।

पदयात्रा में कदम से कदम मिलाने आए क्रिकेटर शिखर धवन, उमेश यादव, रेसलर खली

बागेश्वर महाराज यह पदयात्रा सभी सनातनी प्रेमियों के लिए कर रहे हैं इसलिए सनातन पर अटूट आस्था रखने वाले लोग समय मिलते ही यात्रा से जुड़ जाते हैं। दूसरे दिन की यात्रा में भारतीय क्रिकेट टीम के जाने-माने स्टार बल्लेबाज शिखर धवन शामिल हुए। महाराज का आशीर्वाद लेते हुए शिखर धवन ने यात्रा का पुरजोर स्वागत किया और उन्होंने सभी से आह्वान किया कि सभी लोग यात्रा से जुड़कर एक नया संदेश दें। यात्रा में ही जाने-माने क्रिकेट खिलाड़ी उमेश यादव ने महाराज श्री का आशीर्वाद लिया। अपने जमाने के प्रख्यात रेसलर बड़े से बड़े पहलवानों को धूल चटाने वाले महाबली खली ने भी महाराज श्री की यात्रा से जुड़कर समर्थन करते हुए उनका आशीर्वाद लिया।

महाराज बने पद यात्रियों के डॉक्टर

पदयात्रा में भीड़ अधिक होने के कारण अक्सर एक दूसरे के ऊपर पैर रख जाते हैं। कई बार चलते वक्त पैरों में गंभीर चोट लग जाती है लेकिन जैसे ही बागेश्वर महाराज को इसकी खबर लगती हैं वह स्वयं अपने हाथ से घायलों के घाव पर मरहम लगाने बैठ जाते हैं। महाराज श्री के इस भाव को देखकर पदयात्री शब्दहीन हो जाते हैं। छतरपुर जिले के ही भगवंतपुरा का रहने वाला करन कुशवाहा चोटिल हो गया था। महाराज ने तुरंत उसके पैर के अंगूठे को रुई से साफ किया और दवा लगाकर पट्टी बांधी इसके अलावा अन्य लोग भी रास्ते में घायल हुए जिनके न सिर्फ घाव पर मरहम लगाया बल्कि उनकी आंतरिक पीड़ा भी दूर कर दी। घायल पदयात्रियों को ऐसा लगा मानो सचमुच बालाजी उनकी चिंता हरने आ गए हैं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर खट्टर ने लिया महाराज का आशीर्वाद

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने ही प्रदेश से निकल रही सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में शामिल होकर महाराज का आशीर्वाद लिया। उन्होंने महाराज से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा भी की। वैसे तो महाराज राजनेताओं से दूर रहते हैं लेकिन जब कोई राजनेता आशीर्वाद लेने आता है तो महाराज उसे तुरंत आशीर्वाद दे कर उसकी कुशल जरूर पूछते हैं। खट्टर ने पदयात्रा में शामिल होकर इसका समर्थन किया।

एफएमआरआई ने जबरदस्त सफलता हासिल की

बोन मैरो ट्रांसप्लांट कर सिकल सैल पीड़ित बच्चों का किया इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

एफएमआरआई, गुरुग्राम के डॉक्टरों ने बोन मैरो (स्टैम सैल) ट्रांसप्लांट के जरिए सिकल सैल रोग से पीड़ित बच्चों के इलाज में जबरदस्त सफलता हासिल की है। यह विकास भारत को आधुनिक पीडिएट्रिक ट्रांसप्लांट के परिणामों में अग्रणी देशों में शामिल करता है।

एक दशक तक चले इस अध्ययन का विवरण इंटरनेशनल जर्नल हीमोग्लोबिन में प्रकाशित किया गया। इस अध्ययन के तहत 2015 से 2024 के बीच 100 पीडिएट्रिक मामलों का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन के परिणामों के अनुसार मरीज़ों के जीवित रहने की दर तकरीबन 87 फीसदी रही, मैच्ड सिबलिंग डोनर ट्रांसप्लांट में 96 फीसदी सफलता देखी गई, वहीं हाफ-मैच्ड (हैप्लोआइडेंटिकल) फैमिली डोनर ट्रांसप्लांट में 78 फीसदी सफलता दर्ज की गई। यह विश्वस्तर पर दर्ज किए गए सर्वश्रेष्ठ परिणाम हैं, जो विकासशील देशों में सिकल सैल रोग के प्रबन्धन में उल्लेखनीय प्रगति को इंगित करते हैं। डॉ स्वाति भयाना, अध्ययन की मुख्य लेखिका और पीडिएट्रिक हीमेटोलोजी, ओंकोलोजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट कन्सलटेन्ट, फोर्टिस गुरुग्राम ने कहा, यह उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जो सिकल सैल रोग के साथ जीने को मजबूर हैं। हमारे रिसर्च में साफ हो गया है कि भारत जैसे विकासशील देशों एवं अफ्रीका में अगर इन बच्चों को समय पर आधुनिक इलाज मिले तो इनके जीवित रहने की दर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सेंटरों की तुलना में भी अधिक हो जाती है। डॉ विकास दुआ, प्रिंसिपल कन्सलटेन्ट एवं हैड, पीडिएट्रिक हीमेटोलोजी, ओंकोलोजी, एवं बोन मैरो ट्रांसप्लान्ट, फोर्टिस गुरूग्राम ने कहा, "इनमें से ज्यादातर बच्चे दर्द में जी रहे थे, उन्हें बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ता था, बार-बार खून चढ़ाना पड़ता था। आज वे स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली जी रहे हैं।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110055 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्रम.सं0	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	93256117	संलग्न विनिर्देश के अनुसार सिंक्रोनाइज्ड इलेक्ट्रिकल ऑपरेटेड स्क्रू जैक (05 जैक का सेट)।	4 सेट	15-12-25

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं. 93256117 दिनांक:–07.11.2025 3476/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2)(ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रचना सचदेवा पत्नी** रमेश कुमार **निवासः** म.नं. C-36, X-2, C- ब्लॉक, दिलशाद गार्डन, दिल्ली ने **FIR No. 379/2024 U/s 305/331(4)/329(4)/351(2)/318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023 थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रचना सचदेवा** मिल नही रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रचना सचदेवा** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 379/2024 U/s 305/331(4)/329(4)/351(2)/318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023 थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रचना सचदेवा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनुष्ठा श्रीवास्तव
जेएमएफसी, कमरा नं. G-5
भू–तल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14855/NE/2025
(Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजा पाण्डे** पुत्र **राम सुन्दर** पताः **गली नं. 32बी, प्रवेश का मकान, स्वतंत्र नगर, नरेला, दिल्ली और गाँव मोहनी, थाना रामपुर नैकिन, जिला सिद्धी, मध्य प्रदेश** ने case **FIR No. 133/2019 U/s 376/506 IPC, थानाः नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजा पाण्डे** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजा पाण्डे** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 133/2019 U/s 376/506 IPC, थानाः नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजा पाण्डे** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 19.12.2025** को या उसरो पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री विप्लव डबास
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एफटीसी)
उत्तर, रूम नं. 204
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/14231/ON/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **हरि किशोर** पुत्र राशु देव शाह, निवासी- आर-309, मंगोलपुरी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 308/20 धारा 188 भा.द.स, थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरि किशोर** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **हरि किशोर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **हरि किशोर, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 308/20 धारा 188 भा.द.स, थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.12.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री रीतिका जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
उत्तर-पश्चिम
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/15039/OD/2025

वायु गुणवत्ता सुधार के लिए नगर निगम ने चलाया अभियान

मल्टी एंटी स्मोक गन से सड़कों पर किया गया पानी का छिड़काव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम वायु गुणवत्ता सुधार के लिए अभियान चला रहा है। जिसके लिए मल्टी एंटी स्मोक गन से पानी का छिड़काव सड़कों पर कराया जा रहा है। सड़कों पर पानी छिड़काव के साथ-साथ सड़कों की धुलाई का कार्य भी कर रहा है। उद्यान विभाग ग्रीन बेल्ट तथा सेंट्रल वर्ज पर लगे हुए पौधों की धुलाई तथा उन पर पानी बरसने का कार्य कर रहा है।

निर्माण विभाग ने अभियान चलाते हुए जेसीबी के से सी एंड दी वेस्ट मटेरियल को हटाने का कार्य किया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने अधिकारियों को कार्यो को गम्भीरता के साथ करने के निर्देश दिए हैं। स्थान का चयन करते हुए विभाग संयुक्त कार्यवाही कर रहा है, रोटरी गोल चक्कर से यूपी गेट तक, रोटरी गोल चक्कर से नंदग्राम होते हुए हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन तक, रोटरी गोल चक्कर से नागद्वार तक, हिंडन एयर फोर्स स्टेशन से मेरठ रोड तक, अंबेडकर रोड, मोहन नगर मेट्रो स्टेशन से यूपी गेट तक, हापुर चुंगी चौराहा से ठाकुरद्वारा ओवर ब्रिज तक, हापुर चुंगी चौराहा से पुलिस लाइन तक, हापुर चुंगी से मेरठ रोड तक, ठाकुरद्वारा से मेरठ तिराहा तक, एनएच 24 से सीआईएसएफ होते हुए कनवानी मोड तक अभियान चलाते हुए पानी की बौछार तथा छिड़काव का कार्य किया जा रहा है।

खेल प्राधिकरण निदेशक ने किया शुभारंभ

जूनियर राष्ट्रीय शूटिंग बॉल चैंपियनशिप शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

44वीं जूनियर राष्ट्रीय शूटिंग बॉल चैंपियनशिप का शुभारम्भ एचआर आईटी यूनिवर्सिटी, के खेल मैदान पर हुआ। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि भारतीय खेल प्राधिकरण एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रितु पथिक थी।

समारोह की अध्यक्षता एशियाई शूटिंग बॉल फेडरेशन के महासचिव रविंद्र सिंह तोमर ने की। अन्य विशिष्ट अतिथि गणों में अरुण लाल वी. डिप्टी डायरेक्टर, भारतीय खेल प्राधिकरण, नवीन कुमार, प्रोजेक्ट ऑफिसर, भारतीय खेल प्राधिकरण, जयप्रकाश कादीयान, डॉ. ओपी माचरा, पंडित पाटिल, दयानंद उपाध्याय, कमलेश शर्मा उपस्थित रहे। शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अंजुल अग्रवाल, महासचिव जीत राज तोमर ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती रितु पथिक, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, भारतीय खेल प्राधिकरण ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल के साथ-साथ बच्चे अपनी पढ़ाई पर भी ध्यान दें। शिक्षा और खेल का समन्वय उनके जीवन में आगे बढ़ाने की गति प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण एनडीआरएफ का बैन्ड रहा। जिसने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। उपरोक्त राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 27 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता 3 दिन चलेगी। अजय प्रमुख ने बताया कि अंतिम दिन पुरस्कार वितरण होगा।

नागरिकों को सुरक्षा और न्याय का भरोसा दिलाना हमारी जिम्मेदारी

लोगों के समक्ष नरमी से पेश आएं और अपनी ताकत ना दिखाए पुलिस: डीजीपी

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

- **बीस प्रतिशत झूठे मामले होते हैं दर्ज**
- **गुरुग्राम में नाइटलाइफ़ और क्लबिंग आम**

हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस से नागरिकों के अनुकूल होने का आग्रह करते हुए कहा कि वे लोगों के समक्ष नरमी से पेश आए और उन्हें अपनी ताकत ना दिखाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस का चेहरा जनता के विश्वास से पहचाने, इसके लिए हमें न केवल अपराधों पर नियंत्रण रखना है, बल्कि नागरिकों को सुरक्षा और न्याय का भरोसा दिलाना भी हमारी जिम्मेदारी है। डीजीपी गुरुग्राम में दक्षिण हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोगों द्वारा कानून का काफी दुरुपयोग भी हो रहा है। कम से कम 20 प्रतिशत शिकायतें झूठी होती हैं। कई लोगों के बीच व्यक्तिगत झगड़ों के कारण पैदा होती हैं। वहीं इस बारे में गुडग़ांव के पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने जबरन वसूली के लिए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत कथित तौर पर झूठे मामले दर्ज करने के संबंध में एक वकील की गिरफ्तारी के हालिया मामले के बारे में भी बताया। ट्रैफिक नियमों को लेकर डीजीपी ने अधिकारियों से कहा कि पुलिस को चेकिंग करने की अपनी शक्तियों को कभी भी एकतरफ़ा नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में अधिकारियों से ट्रैफिक और अन्य नियमों के कथित उल्लंघनकर्ताओं के साथ बातचीत में नागरिक-अनुकूल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी चालक के पास वाहन के चार जरूरी दस्तावेज हैं तो उसको पांचवां दस्तावेज न होने पर परेशान करने या चालान काटने की जरूरत नहीं है। डीजीपी ने यह भी कहा कि कुछ मामले जिनमें आर्थिक अपराधों की शिकायतें काफी लंबी होती हैं। उनकी जटिलताओं को पूरी तरह से समझने के लिए समय लगता है। खासकर जब इसको लिखने वाला 12वीं पास हो। ऐसे में हमें इस तरह अपराधों को पूरी तरह से समझने और निपटने के लिए अधिक विशिष्ट अधिकारियों की जरूरत है और हम इसे बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने गुरुग्राम और उसके आसपास दुर्घटनाओं के दो आम कारणों पर भी चर्चा की। नशे में गाड़ी चलाने के लिए, उन्होंने कहा कि पुलिस को यह स्वीकार करना होगा कि युवा आबादी वाले शहर में नाइटलाइफ़ और क्लबिंग आम है, जिनमें से कई अकेले हैं और परिवारों से दूर हैं। नाइटलाइफ़ भी जीवन का एक तरीका है।

काम के बाद, लोग रेस्तरां और क्लबों में जाते हैं, खासकर मिलेनियम सिटी और किसी भी महानगर में जो निवेश का केंद्र है। ऐसे में नशे में ड्राइविंग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए। डीजीपी की इस बात पर पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 168 (संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए पुलिस की शक्तियां) के तहत क्लबों और रेस्तरां को नोटिस दिए हैं। उसी में, बाउंसरों और अन्य कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है कि शराब पीने वाले ग्राहक कैब से लौटें और घर न जाएं। डीजीपी के साथ गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा, सोनीपत की पुलिस कमिश्नर ममता सिंह, झज्जर की पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह, आईपीएस राकेश आर्य, फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता, सतीश बालन आईजी एसटीएफ आदि।

गुरुग्राम में पत्रकारों से बातचीत करते डीजीपी ओपी सिंह।

तप, त्याग, विचार व धर्म की रक्षा के लिए दिया सर्वोच्च बलिदानः सीएम सैनी

गुरु तेग बहादुर पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

'हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के मौके पर पवित्र यात्रा का शुभारंभ शनिवार को सिरसा के रोड़ी की पावन भूमि से किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में गुरुद्वारा गुरुसर साहिब पातशाही दसवीं में अरदास का कार्यक्रम हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पवित्र गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास करते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर केवल सिखों अथवा भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक हैं। यह यात्रा गुरु जी के तप, त्याग, विचार और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का एक महाअभियान है।

शहीदी वर्ष में प्रदेश में चार पवित्र यात्राएं निकाली जाएंगी

उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश में चार पवित्र यात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं पूरे हरियाणा को कवर करेंगी और 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में इनका समापन होगा। उसी दिन वहां सर्व धर्म सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। अगले दिन 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र में महा समागम का आयोजन होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

गुरु तेग बहादुर का हरियाणा की पावन धरा से गहरा संबंध रहा : मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का हरियाणा की पावन धरा से का गहरा संबंध रहा है। 1665 में सिख धर्म के मुख्यालय को धमतान, परगना जींद, बांगर देश (अब हरियाणा) में स्थानांतरित किया था।

पीएम मोदी के कट्टा वाले वार पर अखिलेश यादव

भैया की सरकार आएगी तो नौकरी चलेगी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इन दिनों सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और मन की बातें कर रहे हैं। सत्ता में आने पर जनता के हितों में क्या करेंगे और कैसे युवाओं को लाभ देंगे इसकी चर्चा कर रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार में कहे जाने कि भैया की सरकार आएगी तो कट्टा चलेगा का जवाब देते हुए कहा है कि भैया की सरकार आएगी तो नौकरी चलेगी। अखिलेश ने प्रधानमंत्री के एक वार पर 14 पलटवार किए हैं। अखिलेश ने कहा है कि भैया की सरकार आएगी तो लैपटॉप चलेगा। बहनों को पैसा मिलेगा और माताओं-बहनों को सुरक्षा मिलेगी। लोगों को घर मिलेगा, बुजुर्गों को इलाज मिलेगा। बिहार में कारखाना लगेगा, बिहार से कोई रोजगार के लिए बाहर नहीं जाएगा।

आईटीबीपी जवानों की बस में लगी आग

वैशाली। हाजीपुर में चुनावी ड्यूटी से लौट रहे आईटीबीपी के जवानों को ले जा रही बस में अचानक आग लगने से एक बड़ा हादसा होने से बच गया। नालंदा से सीतामढ़ी जा रही बस में रामाशीष चौक के पास धुआं उठने लगा, लेकिन चालक की सूझबूझ व स्थानीय निवासियों की मदद ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया। चालक ने खतरे को भांपते हुए बस को रोका और सभी जवानों को सुरक्षित नीचे उतार दिया।

पेज एक का शेष

छोटा सत्र, विपक्ष....

से जल्द एक औपचारिकता की तरह खत्म कर देना चाहते हैं। ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है... हां, चुनाव से पहले सत्र छोटे होते हैं तो क्या ये संकेत देता है कि लोकसभा के चुनाव आने वाले हैं?'

विपक्ष आक्रामक....

मुद्दों को उठाने का। 1 से 19 दिसंबर तक चलने वाला यह शीतकालीन सत्र कई राजनीतिक टकरावों का गवाह बन सकता है। एक ओर सरकार विकास और सुधार के एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहती है, वहीं विपक्ष जनमुद्दों को लेकर आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में है।

यूं चिंतित थे....

निशाना बनाना चाहता था। क्योंकि उसे अंदेशा था कि एक बार परमाणु शक्ति हासिल करने के बाद वो उसे उसके कट्टर दुश्मन ईरान को दे देगा। जिससे क्षेत्र में इजरायल के अस्तित्व पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। वहीं, अमेरिका भारत से इतर इजरायल के कहुटा पर हमला करने के सख्त खिलाफ था। क्योंकि उसका मानना था कि ऐसा होने की स्थिति में अफगानिस्तान में तत्कालीन सोवियत संघ (यूएसएसआर) के खिलाफ खुफिया युद्ध की अमेरिकी रणनीति प्रभावित हो सकती है। जिसमें पाकिस्तान भी एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में शामिल था। बार्लो ने कहा कि उस दौर में अमेरिका के राष्ट्रपति रहे रोनाल्ड रीगन इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाकेम बेगिन द्वारा हमले जैसा कुछ भी करने पर उनकी घोर निंदा करते। जिसके पीछे अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर अमेरिकी हितों पर आती आंच वजह होती।

इस बार केरल ....

ऑपरेशन ट्राइडेंट के जरिए नौसेना ने अपने सटीक और अत्यंत मारक हमले से दुश्मन देश के कराची बंदरगाह को भारी नुकसान पहुंचाया था। जिससे पाकिस्तान की नौसेना और उसकी समुद्र तटीय सुरक्षा को भी करारा झटका लगा था। इस निर्णायक कार्रवाई में भारत की समुद्री शक्ति के अलावा उसकी सटीकता, साहस और रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन किया गया था। मौजूदा साल में केरल में नौसेनादिवस के मौके पर होने वाला रणनीतिक प्रदर्शन एक विकसित और समृद्ध भारत के लिए समुद्र की सुरक्षा करने वाले, युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और आत्मनिर्भर बल के रूप में नौसेना की समुद्री उत्कृष्टता का उत्सव होगा।

यूं दिल्ली से बाहर होता आयोजनः नौसेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और उनके पूर्व निर्देश के तहत नौसेनादिवस के आयोजन को राष्ट्रीय राजधानी से बाहर करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले यह समारोह ओडिशा के पुरी और महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में आयोजित किया जा चुका है। रणनीतिक प्रदर्शन में नौसेना के अत्याधुनिक जंगी प्लेटफार्म भारत के महासागर विजन और हिंद महासागर क्षेत्र में देश के एक पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में अपने संकल्प को प्रदर्शित करेगा। इसके अलावा यह समुद्री बल की दुर्जेय लड़ाकू क्षमताओं, तकनीकी उत्कृष्टता और परिचालन तत्परता को जीवंत करेगा। साथ ही यह देश की बढ़ती हुई समुद्री ताकत और आत्मनिर्भरता को भी दर्शाएगा।

स्वदेशी की झलक देखने को मिलेगीः प्रदर्शन में रक्षा निर्माण में बढ़ती देश की आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करने वाली स्वदेश में निर्मित कई संपत्तियों की झलक भी नौसेनादिवस के दौरान देखने को मिलेगी। समारोह 7 से 10 मई 2025 के दौरान पाक के खिलाफ बनी हुई नौसेना की तैयारियों और निवारक क्षमता को उजागर करेगा। जो नौसेना की सटीकता, गति और प्रभुत्व के साथ हमला करने की क्षमता की पुष्टि करता है।

राजनाथ का डीपीएसयू ...

तकनीक के विकास को महत्व देने के साथ ही स्वदेशीकरण और निर्यात को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू को अपना निवेश बढ़ाने के साथ ही शोध और अनुसंधान के लिए मेनपावर बढ़ाने का आह्वान भी किया है।

1.08 लाख करोड़ तक पहुंचा प्रदर्शनः मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान 1.08 लाख करोड़ के वार्षिक टर्नओवर के साथ डीपीएसयू का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। जिसमें 2023-24 की तुलना में 15.4 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली। इसके अलावा 2024-25 में इनका बढ़ता हुआ लाभ (टैक्स के बाद) 19.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 20 हजार 21 करोड़ दर्ज किया गया है। समान समय अवधि में डीपीएसयू के निर्यात में 51 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

दोगुनी होगी शोध-...

रुपए रखी गई है। इसके अलावा पिछले एक दशक में अधिकतर शोध व अनुसंधान पुराने और जाने-माने डीपीएसयू हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा किए गए हैं। अब इसके सभी 16 में विस्तार की दरकार है। मंत्रालय के मुताबिक, आगामी पांच सालों में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड के निजीकरण के बाद बनाए गए सात नए डीपीएसयू शोध-अनुसंधान के मामले में 3 हजार करोड़ का निवेश करेंगे। जबकि रक्षा शिपयार्ड की 1300 करोड़ रुपए के निवेश की योजना है।

जारी की जाएगी ...

जाएगा। जो लचीलापन, गति, जोखिम, आकलन और उक्त परियोजनाओं के लिए आवंटन से जुड़ा हुआ होगा। बैठक में कुछ एमओयू का आदान-प्रदान भी किया जाएगा।

98 साल के...

अपनाया। उनके योगदान ने भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करे।' प्रधानमंत्री के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और अनेक केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी।

असंख्य कार्यकर्ताओं ...

करता हूं।' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी। शाह ने एक्स पर लिखा, 'भाजपा के संस्थापक सदस्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत, 'भारत रत्न' लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आडवाणी जी ने यह बताया है कि कैसे निस्वार्थ भाव से पूरा जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित किया जाता है। संगठन से लेकर सरकार तक, उनके हर दायित्व का एक ही लक्ष्य रहा है - राष्ट्र प्रथम।' उन्होंने आगे लिखा, 'भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को गांवों की चौपालों से लेकर महानगरों तक पहुंचाया और गृह मंत्री के रूप में देश की सुरक्षा को सुदृढ़ किया। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में भी उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई और रथ यात्रा निकालकर पूरे देश में जनजागरण किया। ईश्वर से उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।'

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के उपरांत रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 09.11.2025 से 11.11.2025 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 09.11.2025 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान एवं एग्जि. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुलतानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
05580	आनन्द विहार (ट.)	05:15	पूर्णियाँ कोर्ट	13:45	3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, शिशो, सकरी जं., झंझारपुर, घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा जं., दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज और बनमनखी जं.
05284	आनन्द विहार (ट.)	07:00	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	04:50	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ एनआर, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., बेतिया, सगौली जं., बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर
02418	दिल्ली जं.	09:30	प्रयागराज जं.	19:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी एवं फतेहपुर
02392	आनन्द विहार (ट.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
05220	आनन्द विहार (ट.)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयन. एवं सामा.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर एवं हाजीपुर
03310	दिल्ली जं.	11:45	धनबाद	13:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	टूण्डला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
05590	आनन्द विहार (ट.)	13:00	छपरा	09:00	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., रामकोला, पडरौना, थावे जं., दिघवा दुबौली और मशरख
05504	आनन्द विहार (ट.)	05:30	मुजफ्फरपुर जं.	22:15	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र एवं हाजीपुर जं.
05514	आनन्द विहार (ट.)	12:00	सहरसा जं.	17:15	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.

दिनांक 10.11.2025 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02252	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान एवं एग्जि. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुलतानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
03640	दिल्ली जं.	19:00	गया	11:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03256	आनन्द विहार (ट.)	23:30	पटना जं.	18:35	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
02398	आनन्द विहार (ट.)	08:20	गया	00:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह एन रोड
03258	आनन्द विहार (ट.)	05:00	दानापुर	20:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा
04124	हजरत निजामुद्दीन	15:45	प्रयागराज जं.	09:10	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कोसी कलां, मथुरा जं., आगरा कैंट जं., धौलपुर, ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जंक्शन, अतर्रा, चित्रकोट, मानिकपुर जंक्शन, डभौरा एवं शंकरगढ़
05518	आनन्द विहार (ट.)	12:00	सहरसा जं.	17:15	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
05508	आनन्द विहार (ट.)	05:30	मुजफ्फरपुर जं.	22:15	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र एवं हाजीपुर जं.

दिनांक 11.11.2025 (मंगलवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान एवं एग्जि. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुलतानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
02310	आनन्द विहार (ट.)	19:30	राजेंद्रनगर (ट.)	10:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता. इकोनॉमी	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर एवं पटना जं.
04064	दिल्ली जं.	11:00	भागलपुर	10:30	शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह एन रोड, रफीगंज, गया जंक्शन, तिलैया, नवादा, वारिस अलीगंज, शेखपुरा, किउल जंक्शन, अभयपुर, जमालपुर जंक्शन एवं सुल्तानगंज
03436	आनन्द विहार (ट.)	15:45	मालदा टाउन	21:05	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान एवं सामान्य	टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह एन रोड, गया जंक्शन, तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल जंक्शन, अभयपुर, जमालपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, पीरपैंती, साहिबगंज जंक्शन, बरहरवा जंक्शन एवं न्यू फरक्का जंक्शन
05576	आनन्द विहार (ट.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता. एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., कप्तानगंज जंक्शन, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, रक्सौल जंक्शन, बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, शिशो, सकरी जंक्शन, झंझारपुर, घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल एवं गढ़ बरुआरी
03222	आनन्द विहार (ट.)	16:00	राजगीर	16:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ जं., अयोध्या धाम जं., वाराणसी, पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, बख्तियारपुर जं., हरनौत, वेना, बिहारशरीफ, पावापुरी रोड एवं नालंदा

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय–सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहको की सेवा मे मुस्कान के साथ
पर हमें फॉलो करें

विशेषः बाल दिवस 14 नवंबर

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर- एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उनके आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेब्रेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

दायित्व
डॉ.अनिता राठौर

बचपन से किशोरावस्था तक बच्चों के जीवन में सबसे बड़ी भूमिका पैरेंट्स और टीचर्स की होती है। ऐसे में बच्चों के बेहतर, तनावरहित और उज्ज्वल भविष्य के लिए दोनों को उनकी जरूरतों और समस्याओं को गंभीरता से समझना होगा।

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को

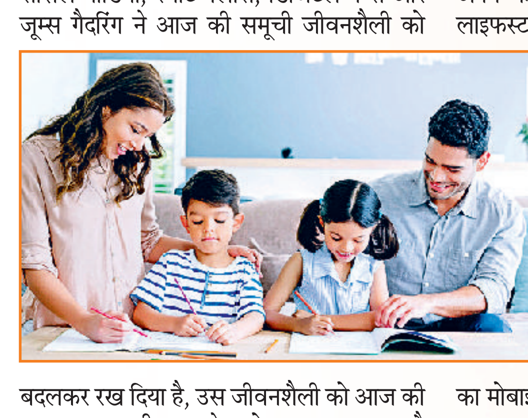

बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मनःस्थिति: आज के बच्चों की मनःस्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर हैं कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

मोबाइल का बवाल

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तकः पा की डायरी (कहानी संग्रह), **लेखिकाः** आशा शर्मा, **मूल्यः** 260 रुपए, **प्रकाशकः** समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

स्वदेशी मेले में मंचासीन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधायक भगवानदास सबनानी और स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वदेशी मेले में प्रभु श्रीराम की प्रतिमा का लोकार्पण कर किया आह्वान

भारत ने विश्व बाजार में फूंका है स्वदेशी का बिगुल, देश में बनी वस्तुओं का करें उपयोग

स्वदेशी मेले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत तिलक लगाकर अभिनंदन करतीं स्वदेशी जागरण मंच की महिला प्रकोष्ठ की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज

- *प्रधानमंत्री मोदी का विजन है मध्यप्रदेश का मिशनः सीएम*
- *मुख्यमंत्री ने लघु उद्यमियों के स्टॉल्स का किया अवलोकन*
- *एमवीएम कॉलेज परिसर में स्वदेशी मेले का आयोजन*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। दुनिया में जारी आर्थिक युद्ध के बीच भारत ने स्वदेशी का बिगुल फूंका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नागरिकों, व्यापारियों और उद्यमियों को इस आर्थिक युद्ध में स्वदेशी ब्रह्मास्त्र सौंपा है। आज सभी क्षेत्रों में स्वदेशी को महत्व देते हुए भारत की सनातन संस्कृति और विरासत से विकास के पथ पर देश अग्रसर है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन को मिशन बनाया है। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मोतीलाल विज्ञान आदर्श महाविद्यालय प्रांगण में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले में कहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मोतीलाल विज्ञान आदर्श महाविद्यालय प्रांगण में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेला परिसर में स्थापित प्रभु श्रीराम की प्रतिमा का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर श्रीराम स्तुति की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवस्त्रम एवं ब्रह्मोस मिसाइल की प्रतिकृति भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने लघु उद्यमियों द्वारा लगाए विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया एवं स्वदेशी उत्पादों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम डॉ. यादव

स्वतंत्रता आंदोलन में स्वदेशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाईः डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं कि हम दुनिया से अलग हो जाएं। इसका मतलब है कि जो चीज हम अपने देश में बना सकते हैं, उसे बाहर से न लाएं और अपने देश में बनी वस्तुओं का ही उपयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में स्वदेशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी, स्वामी दयानंद, लाला लाजपत

राय एवं बाल गंगाधर तिलक जैसे अनेक महापुरुषों ने देशवासियों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी अपनाते हुए आजादी की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। यह स्वदेशी की ही ताकत थी कि बंगाल विभाजन के विरोध में बंग-भंग आंदोलन प्रारंभ हुआ और अंग्रेजों को झुकना पड़ा था। वर्तमान समय में एक देश के नेता दुनिया को टैरिफ की धमकी देते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प अडिग है।

दुनिया को भारत में बड़ा बाजार दिखाई दे रहा

सीएम ने कहा कि आज दुनिया को भारत में बड़ा बाजार दिखाई दे रहा है। वे अपनी कमाई के लिए उत्पादों को भारत लाना चाहते हैं। लेकिन हम अपने स्वदेशी के भाव से नई तकनीक अपनाते हुए खेती को भी संरक्षित कर रहे हैं और विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ा रहे हैं। इस मेले में उत्तरप्रदेश भदोही के व्यापारी तक अपने कालीन बेचने यहां आए हैं। इस मौके पर स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय मेला प्रमुख साकेत राठौर ने कहा कि स्वदेशी मेला कोई आम मेला नहीं है। हमें स्वदेशी से एक अलग पहचान मिलती है। स्वदेशी जब समाज के साथ जुड़ता है तो वह आंदोलन में परिवर्तित होता है। स्वदेशी वस्तुओं में हमारी मिट्टी की खुशबू होती है। भारत आर्थिक स्थिति में चौथे पायदान पर है। इस मौके पर स्वदेशी मेला संयोजक सतीश विश्वकर्मा, सह संयोजक व स्वदेशी जागरण मंच की महिला प्रकोष्ठ की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज, रमणवीर सिंह अरोड़ा, सुधीर दाते एवं सुशील अग्रवाल सहित स्वदेशी आंदोलन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद थे।

स्टॉल पर स्वदेशी उत्पादों की जानकारी लेते मुख्यमंत्री

कांग्रेस को हार का पहले से आभास, बिहार में एनडीए ही आएगा : कैप्टन अभिमन्यु

■ पूर्व वित्तमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता बोले-चुनाव के बीच में मैदान छोड़कर भाग रहे कांग्रेसी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु का कहना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को बिहार चुनावों में हार का अंदाजा हो गया है कि बिहार के चुनाव परिणाम एनडीए के पक्ष में एक तरफा जा रहे हैं। उन्हें हार के बारे में जो भी दोषारोपण करना था, उन्होंने यह काम समय से पहले कर दिया है। जब जनता के बीच में रहने का वक्त है, उस वक्त कांग्रेस के दिये तले अंधेरा हो गया है।

पूर्व वित्त मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु चंडीगढ़ में इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा पूछे जा रहे सवालों का जवाब दे रहे थे। चुनाव परिणामों के पहले ही कांग्रेस ने हार स्वीकार कर ली है, जनता भी इस बात को समझ चुकी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदर इस तरह के लोग बैठे हुए हैं, जो कांग्रेस के आरोपों की पोल खोल देते हैं। कांग्रेस के अंदर वरिष्ठ नेता ही खुद कांग्रेस छोड़ते वक्त बोल चुके हैं कि कांग्रेस के दिये तले अंधेरा है।

भूपेंद्र हुड्डा के गड़बड़ी के आरोपों पर बोले- जनता सबकुछ समझती है

नेता विपक्ष और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा हरियाणा में भी गड़बड़ी के आरोपों पर कहा कि प्रदेश की जनता सब कुछ समझती है, खुद को वकील बताने वाले लोगों को बेवकूफ समझते हैं। अगर हुड्डा आज गड़बड़ी की बात कर रहे हैं, फिर वे अदालत क्यों नहीं गए,कोई शिकायत क्यों नहीं की,उन्हें देश के संविधान और न्याय व्यवस्था में भरोसा है, तो जाना चाहिए था, वे इसलिए नहीं गए क्योंकि उनमें नैतिक बल नहीं है।

कांग्रेस ने अतीत में भी इस देश की राजनीति में परिवारवाद का जहर घोलने का काम किया है, हरियाणा प्रदेश में लोगों ने स्याही पैन बदलते हुए देखा है।

कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों को हराने का काम खुद की पार्टी के लोग करते हैं। वोटों के सौदागर सबसे ज्यादा कांग्रेस के अंदर हैं। उन्होंने एक सवाल के उत्तर में कहा कि हमने हमेशा ही जनमत का सम्मान किया है, जनता ने जो भी फैसला दिया है, उस फैसले को दिल से हमने स्वीकार किया है। भाजपा उसके बल पर ही आज विश्व में सबसे बड़ा संगठन बनकर उभरा है।

आज कांग्रेस के कार्यकाल से बेहतर कानून व्यवस्था

पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि सरकार की ओर से अपराधियों को संरक्षण नहीं है, जैसा कि पूर्व की सरकारों में हुआ करता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल से आज बेहतर कानून व्यवस्था है। कांग्रेस कार्यकाल में गैंगस्टर कल्चर को संरक्षण दिया जाता था। मानेसर जमीन लैंड को लेकर उन्होंने कहा कि न्यायालय की व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले हुड्डा की शब्दावली संकेत कर रही है कि वे कानून के शिकंजे में खुद को असहज मान रहे हैं।

भाजपा अपने संकल्प पत्र के वादे पूरे कर रही : कैप्टन

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि गत 11 साल में विस की सारी बहस को सुना है। इसके साथ ही जनता के बीच में रहकर महसूस किया है कि विपक्ष पूरी तरह से नदारद है, विपक्ष अपनी भूमिका नहीं निभा रहा है। विपक्ष कुछ लोगों के मुद्दों और आंदोलन का सहारा लेकर सवारी करने में जुटा है। केवल बयानबाजी और बिना तथ्यों के दावे करते हैं। जनता के बीच में उनके भाषण और पीसी में भी सत्य नहीं बोलते अगर कुछ साक्ष्य, तथ्य दें, तो सरकार उसमें बदलाव कर बेहतरी का कदम उठा सकती है। उनके कोई मुद्दे जनहित के नहीं बल्कि अपने परिवार को आगे बढ़ाने के हैं।

सीएम के ओएसडी ने साझा किए उच्च शिक्षा में अनुसंधान व कौशल विकास पर विचार

गुरुग्राम। एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम ने अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी (सीएसआईएफ) का भव्य उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्र बहुविषयक सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी और श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति प्रो. (डॉ.) राज नेहरू ने उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के एकीकरण के महत्व पर विचार साझा किए। उद्घाटन समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसने प्रेरणा और प्रगति का संदेश दिया। समारोह में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए एसजीटी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) हेमंत वर्मा ने विश्वविद्यालय की उस दूरदृष्टि पर प्रकाश डाला, जिसके तहत वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार आधारित विकास को प्रोत्साहित करने वाला एक सशक्त इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। प्रो. (डॉ.) शालिनी कपूर, निदेशक—आरएंडडी सेल, ने सीएसआईएफ की स्थापना के पीछे की रणनीतिक सोच साझा की और बताया कि यह सुविधा विभिन्न विषयों में उन्नत अनुसंधान को सक्षम बनाएगी। वहीं, सीएसआईएफ लैब की इंचार्ज डॉ. स्नेह लता ने आधुनिक उपकरणों और अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तृत परिचय दिया, जो शोधकर्ताओं और विद्वानों को अत्याधुनिक टूल्स एवं तकनीक का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **असलम** पुत्र असरफ अली, निवासी- बलराम नगर के पास, गेट, प्रेम नगर, गली नंबर 02, लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 144/2017 धारा 356/379/411/34 भा.द.स, थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **असलम** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **असलम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **असलम, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 144/2017 धारा 356/379/411/34 भा.द.स, थाना वेलकम, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.12.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
कक्ष संख्या 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/14895/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **राजेश कुमार** पुत्र श्री देवी लाल, निवासी- मकान संख्या ए-66, तृतीय तल, देवली एक्सटेंशन, नई दिल्ली और ए-19, देवली रोड, खानपुर, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 223/2017 धारा 420/174ए भा.द.स, थाना नेब सराय, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजेश कुमार** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **राजेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **राजेश कुमार, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 223/2017 धारा 420/174ए भा.द.स, थाना नेब सराय, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.12.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री निधि सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
कक्ष संख्या 212
साकेत न्यायालय, नई दिल्ली

DP/14943/SD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **भारत उर्फ राहुल, पुत्रः** ओम दत्त शर्मा, **पताः** मकान नंबर एफ–6 राजधानी पार्क नांगलोई, दिल्ली **FIR No. 158/2020, U/s 356/379/34 IPC, पुलिस थानाः नांगलोई, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भारत उर्फ राहुल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भारत उर्फ राहुल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **भारत उर्फ राहुल, FIR No. 158/2020, U/s 356/379/34 IPC, पुलिस थानाः नांगलोई, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री विजय श्री राठौर
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–10 पश्चिम
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14649/OD/2025
(Court Matter)

अरनपुर में हुए भीषण नक्सली हमले की जांच का मामला

एनआईए की एक साथ 12 स्थानों पर छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

अरनपुर में हुए भीषण नक्सली हमले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को सुकमा और दंतेवाड़ा जिलों में एक साथ 12 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई 26 अप्रैल 2023 को हुए उस आईईडी ब्लास्ट से जुड़ी है, जिसमें दरभा डिवीजन कमेटी के नक्सलियों ने डीआरजी बल के जवानों को निशाना बनाया था।

इस हमले में 10 जवानों समेत वाहन चालक की मौत हुई थी। एनआईए द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी अरनपुर आईईडी ब्लास्ट केस से जुड़े आरोपियों और संदिग्धों के ठिकानों पर की गई। एजेंसी ने बताया कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक और संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है, जिनमें नकदी, हस्तलिखित पत्र, प्रिंटेड रसीद बुक्स और डिजिटल उपकरण शामिल हैं।

सीपीआई से जुड़ी है सामग्री

यह सामग्री सीपीआई (माओवादी) संगठन की फंडिंग और गतिविधियों से जुड़ी पाई गई है। जांच एजेंसी का कहना है कि जिन स्थानों पर छापेमारी की गई, वहां से मिले सबूतों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध दरभा डिवीजन कमेटी के सक्रिय माओवादी कैडरों से हैं। वही कैडर 26 अप्रैल 2023 को अरनपुर के पास पेडका गांव में हुए उस घातक हमले में शामिल थे, जिसने पूरे बस्तर को दहला दिया था। एनआईए ने अपनी प्रेस रिलीज में बताया कि इस मामले की जांच अब भी जारी है। अब तक की कार्रवाई में कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और दो चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। एजेंसी को उम्मीद है कि हालिया तलाशी में मिले दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य इस मामले के

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	**NIT-54 – कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के तहत एसएसई/डब्ल्यू/एम/जीजेडबी अनुभाग में भूमिगत टैंक और पंप हाउस, विद्युत सबस्टेशन का निर्माण, जल आपूर्ति प्रणाली में सुधार का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :-** 4,73,06,541.8 **बयाना राशि (रुपये) :-** 3,86,500.00
2	**NIT-55 – कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र गाजियाबाद– सहारनपुर – सीटीआर (पी) – 6.247 किलोमीटर और टीआरआर (पी) – 6.523 किलोमीटर और गाजियाबाद – मुरादाबाद – सीटीआर (पी) – 3.092 टीकेएम, साहिबाबाद–गाजियाबाद–तृतीय लाइन टीआरआर (पी) – 4.100 टीकेएम, गाजियाबाद – चिपियाना बुजुर्ग टीएसआर (पी) – 5.0 टीकेएम आदि कार्य का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :-** 3,26,13,493.04 **बयाना राशि (रुपये) :-** 3,13,100.00
3	**निविदा खोलने की तिथि और समय :** 02.12.2025, 15:00 Hrs.
4	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है :** निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/e-Tender Notice/NIT-54 & 55-25-26-W-II दिनांक: 07.11.2025 3468/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। महिला क्रिकेट के संघर्ष और सफलता का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

मुबारक हो उपेक्षित रात की स्वर्णिम सुबह

विश्लेषण
डॉ. घनश्याम बादल
स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 की रोशन रात भारतीय खेल जगत की एक ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम घटना के रूप में याद की जाएगी जो भारत और यहां की लड़कियों तथा महिला खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्णिम सुबह लेकर आई। यदि इस जीत को हमने देश के महिला जगत एवं खेल जगत के लिए एक अवसर के रूप में इस्तेमाल कर लिया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जीत यह एक 'टर्निंग प्वाइंट' सिद्ध होगी। भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है।

भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

खेल से मंत्रमुग्ध किया

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने खेल से मंत्रमुग्ध किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने हर चुनौती, हार-जीत और उतार चढ़ाव का डटकर सामना किया और लीग चरण से लेकर फाइनल तक अपनी रणनीति, अनुशासन और टीम भावना के बल पर देश को विश्व चैंपियन बनाया। इस विश्व कप के फाइनल में जीत का परचम लहराने वाली इन लड़कियों का सामना हार से भी हुआ और वह लगातार तीन मैच ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड तथा दक्षिण अफ्रीका से हारी। जब वह हार रही थीं तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये शेरनियां पलट कर ऐसा वार भी कर सकती हैं। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराना ऐतिहासिक था।

टीम का जज्बा और संकल्प

फाइनल में 52 रन की बड़ी जीत इस टीम के जज्बे और संकल्प को रेखांकित करती है। इस मैच में भारतीय टीम ने न केवल तकनीकी श्रेष्ठता बल्कि मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। हर खिलाड़ी ने टीम की सफलता में योगदान दिया, चाहे वह फील्डिंग में चपलता हो या आखिरी ओवरों में दबाव झेलने की क्षमता। इस विजय का सबसे बड़ा कारण टीम स्पिरिट और आपसी विश्वास था। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका को बखूबी समझा और व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की जीत को प्राथमिकता दी। इस टीम के कोच और देश के अंदरूनी क्रिकेट के सचिन तेंदुलकर कहे जाने वाले अनमोल मजूमदार की कभी नीली जर्सी ना पहन पाने की टीस भी इन लड़कियों ने खत्म कर दी। उनकी कोचिंग,कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम की भी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार करने में अहम भूमिका रही। टीम की यह एकजुटता और सामूहिक प्रयास उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें सामूहिक सफलता को सर्वोच्च माना जाता है। महिला खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसे से हासिल होती है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि सरकार और समाज तथा प्रमोटर पैसे की बारिश कर सकते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत है।

सामाजिक मानसिकता बदलेगी

'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' की तर्ज पर ही 'बेटी खिलाओ, बेटी बढ़ाओ' जैसे अभियान यथार्थ के धरातल पर चलाए जाने चाहिए। बेशक, यदि सब ठीक रहे तो यह जीत सामाजिक मानसिकता में बड़ा परिवर्तन लाएगी। अब माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महिला खेल अकादमियों की स्थापना व वृद्धि के साथ वहां की दशा एवं दिशा दोनों में सुधार की गति को बढ़ाना होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि यह जीत इन प्रयासों को और गति देगी। विश्व चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह विजय न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि महिला क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करेगी और विश्व कप की जीत से इसकी लोकप्रियता और निवेश दोनों में वृद्धि होगी, ऐसी उम्मीद करना अनुचित नहीं होगा।

सरकार को देना होगा ध्यान

नए स्पॉन्सर, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मैचों की संभावना आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत महिला क्रिकेट संरचनाओं में से एक बना सकता है। महिला क्रिकेट की इस अभूतपूर्व सफलता को बनाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि वह महिला खिलाड़ियों को उचित आर्थिक सहायता, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र और खेल उपकरण उपलब्ध कराए। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिला क्रिकेट अकादमियों की स्थापना से नई प्रतिभाओं को मौका मिलेगा। साथ ही, खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरियों और प्रोत्साहनों से सम्मानित करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हुए अपने खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया और निजी क्षेत्र को भी महिला क्रिकेट को उसी स्तर की पहचान देनी चाहिए जैसी पुरुष क्रिकेट को दी जाती है। यह ट्रॉफी भारत के लिए केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस जीत ने यह संदेश दिया है कि यदि अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व विजेता बन सकती हैं।

मगर याद यह भी रखना होगा कि जीत की परंपरा कायम रखना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसलिए इससे खुश होने के साथ-साथ इसे बरकरार रखने के लिए कड़े परिश्रम की भी ज़रूरत होगी।

क्रिकेट के आकाश पर छाई भारत की बेटियां

जय हो
रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है। इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने ये करिश्मा करके दिखाया है। इसका जश्न आज पूरा भारत मना रहा रहा है। भारत की बेटियों की जय हो! वाह, क्या खेल दिखाया है? क्या जुझारू पारी और एकाग्रता की मिसाल कायम की है? विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था। यह आधी आबादी को संबल देने वाली जीत है जो नजीर बन गई उनके लिए जो एक मुकाम हासिल करना चाहती हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले पर हर किसी की नजरें बनी हुई थीं। 25 साल के विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के इतिहास में एक बार फिर से महिला क्रिकेट टीम के सामने एक सुनहरा मौका था और उन्होंने इसमें बाजी मारते हुए विश्वे विजेता बनकर देश का मान और गौरव बढ़ा दिया है। विमेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका जीत के लिए 299 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पूरी मेहमान टीम 45.3 ओवर में 246 रनों पर सिमट गई और 52 रनों से टीम इंडिया ने ये मैच जीत लिया। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाडियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 'ड्रॉप' किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोके थे। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर 'पहाड़' की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया।

विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था।

जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेस रहा। भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्रॉफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्व विजेता बन गई। महिला टीम की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है। यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की जीत है। अब गांव-शहर की लड़कियां क्रिकेट को करियर के रूप में देखेंगी। माता-पिता भी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। 'लड़की होकर क्रिकेट' जैसी पुरानी सोच को यह जीत हमेशा के लिए बदल देगी। शेफाली, दीप्ति और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी अब हर लड़की की प्रेरणा बनेंगी। कोहली, गिल की तरह ही अब हमारी लड़कियां भी नए हेयरस्टाइल, टैटू के साथ युवाओं के लिए नई सुपरस्टार और रोल मॉडल होंगी। यह ट्रॉफी सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समान अवसर और नए भारत की नारी शक्ति का उदाहरण बन जाएगी।

महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

कीर्तिमान
डॉ. प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज़्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है, क्योंकि यह सिर्फ़ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है। भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज़ है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है।

इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ़ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है।

मोनिका डागा

जीत के जश्न का दमदार आगाज

नई ऐतिहासिक जीत के जश्न का दमदार आग़ाज़ किया है,
घर में छुपी बंद मुस्कुराहटों को बिखेरने का साज़ दिया है,
बेटियों ने बेटियों को भविष्य का एक सुंदर ख़्वाब दिया है,
बुलंद हौसलों से कठिनाइयों को मुँह तोड़ ज़वाब दिया है ।

तोड़कर बंदिशें तपस्या से दृढ़ संकल्प को संजीव किया है,
प्रतिभाशाली व्यक्तिव से जड़ों को मज़बूत अतीव किया हैं
ख़्वाबों को हक़ीक़त की धरातल पर श्रम से रंगीन किया है,
खुशियों के ऑंसू दे धड़कनों को आनंद यूं नवीन दिया हैं।

पैनी नज़र लक्ष्य की पकड़ संग धैर्य का समावेश किया है,
हार को जीत में ढालना है संभव श्रेष्ठतम परिवेश दिया हैं,
आत्म विश्वास और उत्साह की किरणों का प्रकाश दिया हैं,
अरबों आंखों में पल रहे रंगीन सपनों को आकाश दिया है ।

सर्पीले रास्तों पर पसीने का चमकता शीतल चंदन दिया है,
भारत का ही नहीं विश्व की धड़कनों को नया स्पंदन दिया है,
संगठन की ताकत और समर्पण का जज़्बा प्रस्तुत किया है,
जीत कर वूमेन्स वर्ल्ड कप अलग उदाहरण अद्भुत दिया हैं।

खुद पर करना होगा यकीं ऐसा महत्वपूर्ण अभ्यास दिया हैं,
जोर शोर हिलोर मचाने को रचने को नया इतिहास दिया है,
नीली जर्सी में बेटियों ने शानदार जीत को अंजाम दिया हैं,
दबी चाहतों को अर्जुन के तीर सा लक्ष्यभेदी पैगाम दिया हैं ।

म्हारी छोरियां, छोरों से कम नहीं...

इनामों की बरसात

आईसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही देश में जश्न है और लोग बेटियों को बधाई देते नहीं थक रहे हैं. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पर लगातार इनामों की बरसात हो रही है।

- बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।
- मध्यप्रदेश सरकार ने टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।
- हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने का ऐलान किया।
- रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।
- उत्तर प्रदेश में दीप्ति शर्मा को उपाधीक्षक बनाया गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिख डाली नई गौरव-गाथा

विश्व कप क्रिकेट
सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं। हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से

महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदान में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं।

महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है। बताते चलें कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। वही इतिहास अब दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

भारतीय नारी शक्ति की जीत

यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा।

उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं। उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता से महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा

चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के लिए पक्ष-विपक्ष के उतरे दिग्गज, पीएम मोदी बोले

पहले चरण की वोटिंग में जंगलराजवालों को 65 वोल्ट का झटका लगा, 'नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार एनडीए सरकार'

एजेंसी ▶▶ पटना

पीएम नरेंद्र मोदी ने सीतामढ़ी में विशान जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं माता जानकी की प्रकट स्थली से संपूर्ण बिहार को प्रणाम करता हूं। पहले चरण के मतदान ने कमाल कर दिया है। उन्होंने महागठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान से जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका लगा है। आपका प्यार और उमंग देखकर स्पष्ट लगता है कि इस बार फिर से एनडीए सरकार बनेगी। आपका आशीर्वाद सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार एनडीए सरकार का नारा दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकसित बिहार बनाने का चुनाव है। यह चुनाव आपके आने वाली पीढ़ी का भविष्य तय करेगा।

सीतामढ़ी में संबोधन के पहले नेताओं से मिले पीएम मोदी।

वो कौन सा पंजा था जो 1 रुपए को 15 पैसे कर देता था

पीएम मोदी ने कहा कि अगर राजद-कांग्रेस की सरकार रहती तो आपके हक का पैसा लूट लिया जाता। यह मैं नहीं बल्कि कांग्रेस के नामदार के पिताजी कहते थे। वह कहते थे कि दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो गांव में जाते-जाते 15 पैसा हो जाता है। जरा बताओ यह कौन सा पंजा था? जो एक रुपए को घिस-घिस कर 15 पैसा कर देता था।

राहुल के पास सबूत हों तो चुनाव आयोग में करें शिकायतः राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रह है, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करानी चाहिए, न कि झूठ फैलाना चाहिए। सासाराम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राहुल के पास मुद्दे नहीं हैं, इसलिए वे निराधार आरोप लगा रहे हैं।

अपराधी और माफिया किसी के सगे नहीं होतेः सीएम योगी

सीएम योगी ने पिपरा की जनसभा के दौरान कहा पहले चरण के चुनाव में बिहार की जनता ने साबित कर दिया है कि बिहार के अंदर अब लालटेन की धुंधली रोशनी में अपराध कोई नहीं कर पाएगा। अगर अपराधी जीतेगा तो निवेश भागेगा। अगर अपराधी जीतेगा तो सुरक्षा दांव पर लगेगी। वे किसी के सगे नहीं होते।

लालू यादव-राबड़ी देवी के शासन में लूट, हत्या और अपहरण का था बोलबालाः गृहमंत्री शाह

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने बिहार के पूर्णिया जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते राहुल गांधी पर लगाया घुसपैठियों को शह देने का आरोप

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बिहार के पूर्णिया जिले के बनमनखी शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि लालू यादव और राबड़ी देवी के 15 साल के शासन में विधायकों की

दिनदहाड़े हत्याएं होती थीं, लूट, हत्या, बलात्कार और अपहरण का बोलबाला था। यह एक उद्योग था। नीतीश बाबू ने जंगल राज का अंत कर दिया है। उन्होंने जनसभा में लोगों से पूछा कि घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए या नहीं? शाह ने कहा कि राहुल बाबा और लालू के बेटे ने अभी-अभी घुसपैठिया बचाओ यात्रा शुरू की है। वे सीमांचल को घुसपैठियों का गढ़ बनाना चाहते हैं। लेकिन हम न केवल सीमांचल से, बल्कि पूरे बिहार से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालने का काम करेंगे।शाह ने कहा कि कि लालू और राबड़ी के 15 साल के शासन में विधायकों की दिनदहाड़े हत्याएँ होती थीं, लूट, हत्या, बलात्कार और अपहरण का बोलबाला था। यह एक उद्योग था। नीतीश बाबू ने जंगल राज का अंत कर दिया है।

गौरतलब है कि बिहार चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य के इतिहास में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा। बिहार में पहले चरण का मतदान हाल ही में संपन्न हुआ, और दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को 122 सीटों पर मतदान होना है। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित होने हैं।

अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए अगले पांच सालों में घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकालने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम न सिर्फ़ घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे, बल्कि उनके द्वारा किए गए अतिक्रमण को भी तहस-नहस कर देंगे। यहां सभी अवैध धंधे लालू के शासनकाल में स्थापित हुए और बाद में घुसपैठियों ने उनका विस्तार किया। अगले पाँच सालों में, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए सरकार सीमांचल में हर एक अवैध गतिविधि को जड़ से उखाड़ फेंकेगी।

केंद्रीय गृहमंत्री ने सवाल उठाया कि घुसपैठियों का नाम मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए या नहीं, और ज़ोर देकर कहा कि उन्हें अपने देश लौटना होगा और सीमांचल में उनके लिए कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और राहुल बाबा, ध्यान से सुन लीजिए, हम घुसपैठियों का पता लगाएंगे, उन्हें मतदाता सूची से हटाएंगे और उन्हें निर्वासित करेंगे।

पीएम के कट्टे वाले बयान पर बरसीं प्रियंका

पद की गरिमा बनाए रखने में विफल रहे

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कटिहार में चुनावी रैली में प्रधानमंत्री और

केंद्र पर जोरदार हमला किया। प्रियंका ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश के सभी सार्वजनिक उपक्रमों को अपने कुछ कॉरपोरेट मित्रों के हवाले कर रहे हैं। पीएम मोदी अपने पद की गरिमा बनाए रखने में विफल हैं। उन्होंने आलोचना की कि प्रधानमंत्री 'कट्टा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो लोगों को भड़काने के लिए है। प्रियंका गांधी ने जोर देकर कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को संयम और मर्यादा का पालन करना चाहिए। प्रियंका ने कहा कि लोग बदलाव चाहते हैं। मैं सभी सभाओं में देख रही हूं और लोग मुझसे ज्यादा बोलते हैं। लोग बदलाव चाहते हैं, वे थक चुके हैं और ऊब चुके हैं। ध्यान भटकाने वाली कोई भी चीज काम नहीं कर रही है।

खेड़ा का विवादित बयान

पीएम की कनपटी पर कट्टा रखकर नीतीश को फेस घोषित करवा लेना चाहिए

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी पर विवादित बयान दिया है। खेड़ा ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह

अधिकारियों से गुप्त रूप से मिलते हैं। खेड़ा ने सवाल उठाया कि शाह गुप्त रूप से कौन सी बैठकें करते हैं?उन्होंने कहा कि 121 सीटों पर 72 सीटों पर महागठबंधन की जीत होगी। उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि प्रधानमंत्री की कुछ रैलियों में कटौती की गई है। कखेड़ा ने पीएम नरेंद्र मोदी के कट्टा वाले बयान पर पलटवार करते हुए अटपटा बयान दिया है।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को पीएम की कनपट्टी पर कट्टा रखकर खुद को सीएम फेस घोषित करवा लेना चाहिए।

सीएम नीतीश और एनडीए का समय अब खत्मः जयराम

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बड़ा दावा

किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड वोटिंग इस बात का संकेत है कि जनता अब बदलाव चाहती है और महागठबंधन की सरकार बनना तय है। रमेश ने कहा कि बिहार में लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया हैष जो उच्च मतदान प्रतिशत देखने को मिला, वह जनता की इस भावना को दर्शाता है कि अब वे नई दिशा, नई सरकार चाहते हैं। नीतीश और एनडीए का समय अब खत्म हो गया है।

खबर संक्षेप

चुनाव खत्म होते ही पार्टी को नया अध्यक्ष मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर बड़ी

जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव खत्म होने के बाद पार्टी को नया अध्यक्ष मिलेगा। उन्होंने साफ कर दिया कि पार्टी में किसी तरह की कोई कलह नहीं है। संघ कभी भी भाजपा के राजनीतिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करता।

पीएम देहरादून में रजत जयंती में होंगे शामिल

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर आयोजित रजत जयंती

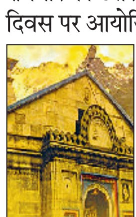

समारोह में हिस्सा लेंगे। दोपहर लगभग 12:30 बजे पीएम मोदी देहरादून का दौरा करेंगे और उत्तराखंड राज्य के गठन की रजत जयंती समारोह में पीएम मोदी एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। लोगों को संबोधित करेंगे।

दुर्ग रेलवे स्टेशन से बांग्लादेशी गिरफ्तार

भिलाई। शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को जीआरपी पुलिस ने

बिना दस्तावेज के गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पासपोर्ट, वीजा या भारत का कोई भी वैध दस्तावेज नहीं है। जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने ग्राम बुढी खाली जिला नोडल बांग्लादेश अजमीर अलीमीन शेख नामक युवक को पकड़ा है।

तरन तारन की एसएसपी ग्रेवाल निलंबित

तरनतारन। विधानसभा हलका तरनतारन के उपचुनाव दौरान शिरोमणि अकाली दल के नेताओं

को गिरफ्तार करने के मामले पर चुनाव आयोग ने तरनतारन की एसएसपी रवजोत ग्रेवाल को सस्पेंड कर दिया है। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर को एसएसपी का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 4 वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

ये भारतीयों की और भारतीयों द्वारा बनाई गईं विकसित भारत के लिए बनेंगी श्रेष्ठ साधन

पीएम ने कहा- देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर

एजेंसी ▶▶ बनारस

बनारस रेलवे स्टेशन से शनिवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने यहां से देशवासियों को चार वंदे भारत की सौगात दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें, भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। वंदे भारत भारतीयों की, भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है। जिस पर हर भारतीय को गर्व है। आज जिस तरह से भारत ने विकसित भारत के लिए अपने साधनों को श्रेष्ठ बनाने का अभियान शुरू किया है, ये ट्रेनें उसमें एक मील का पत्थर बनने जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन की शुरुआत भोजपुरी में करते हुए कहा कि बाबा विश्वनाथ के ई पावन नगरी में आप सब लोगन के काशी के परिवारजन के हमार प्रणाम। देव दीपावली के बाद आज के दिन भी काशी के विकास पर्व पर आप सबके शुभकामना देत हईं। पीएम ने कहा कि विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी अब तेजी से उसी राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे नेटवर्क, सड़कों और नई व्यवस्थाओं के विस्तार से देश के हर हिस्से में विकास की नई गाथा लिखी जा

ई पावन नगरी में आप सब लोगन को हमार प्रणाम

बनारस में वंदे भारत को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री मोदी।

पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे

पीएम मोदी ने बताया कि देश में अब 160 से अधिक वंदे भारत ट्रेन संचालित हो रही हैं। ये ट्रेन भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और आत्मनिर्भरता की प्रतीक हैं। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। वंदे भारत भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र जैसे पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, जिससे आस्था और विकास दोनों का संगम हो रहा है। ये देश के विकास के नेटवर्क को मजबूत बनाएंगी।

ट्रेन में बच्चे से हाथ मिलाते और बात करते पीएम मोदी।

मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली

पीएम मोदी ने इस दौरान काशी के बच्चों की प्रतिभा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन के दौरान विद्यार्थियों ने "विकसित भारत" पर सुंदर कविताएं और चित्र प्रस्तुत किए। काशी के सांसद के रूप में मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। मैं चाहता हूं कि इन बच्चों का कवि सम्मेलन काशी में कराया जाए और कुछ बच्चों को पूरे देश में ले जाया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में काशी की भूमिका अग्रणी रहेगी। हमें काशी की ऊर्जा और गति बनाए रखनी है, ताकि भव्य काशी, समृद्ध काशी का सपना साकार हो सके।

काशी अब पूर्वांचल की स्वास्थ्य राजधानी बन गई

पीएम ने कहा कि काशी अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी पूर्वांचल की स्वास्थ्य राजधानी बन गई है। पहले इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता था, लेकिन अब शहर में ही अत्याधुनिक अस्पताल, कैंसर सेंटर, आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों से लोगों को राहत मिल रही है। काशी में रहना, काशी आना और यहां जीना अब सबके लिए विशेष अनुभव बन गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि शहर में सड़कों, गैस पाइपलाइन, स्टेडियम, और रोपवे जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट तेजी से पूरे हो रहे हैं।

इससे आर्थिक और अन्य गतिविधियों को नया बल मिला

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिला है। पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आए, जबकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद 6 करोड़ से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला।

बिहार चुनावः डीएम को जांच के आदेश

मॉक पोल की वीवीपैट पर्चियां मिलने पर हड़कंप एआरओ को किया निलंबित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बिहार के समस्तीपुर जिले में मॉक पोल की वीवीपैट पर्चियां मिलने की घटना के बाद निर्वाचन आयोग ने त्वरित कार्रवाई की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि इस मामले की पूरी जांच के लिए जिला पदाधिकारी (डीएम) समस्तीपुर को स्थल पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि ये पर्चियां मॉक पोल (पूर्वाभ्यास मतदान) से संबंधित हैं, न कि वास्तविक मतदान से। इसलिए मतदान प्रक्रिया की शुचिता और पारदर्शिता पर कोई असर नहीं पड़ा है। आयोग ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और विश्वसनीय बनी हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, सभी प्रत्याशियों को इस घटना की जानकारी जिला प्रशासन द्वारा दे दी गई है, ताकि किसी भी तरह की अफवाह या भ्रम की स्थिति न बने।

हालांकि, आयोग ने लापरवाही बरतने पर संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारी को निलंबित करने का आदेश दे दिया है। साथ ही, इस घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि समस्तीपुर में मॉक पोल की वीवीपैट पर्चियों की बरामदगी की जानकारी मिलते ही तत्काल डीएम को जांच के लिए भेजा गया। चूंकि ये पर्चियां मॉक पोल की हैं, इसलिए मतदान प्रक्रिया की अखंडता पूरी तरह सुरक्षित है। फिर भी लापरवाही को गंभीरता से लिया गया है- संबंधित अधिकारी के खिलाफ निलंबन और एफआईआर की कार्रवाई की जा रही है।

इस घटना के बाद निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों के अधिकारियों को सतर्क रहने और मॉक पोल सामग्री की सुरक्षित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि मॉक ड्रिल की पर्चियों को भी सीलबंद लिफाफे में रखने के नियम हैं जिसका उल्लंघन पाने पर एआरओ नप गए।

वित्त मंत्री सीतारमण ने रखी नींव

असम को मिला पहला टेक्निकल और वोकेशनल विश्वविद्यालय

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इसका नाम शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय रखा गया है।

यह बिस्वनाथ जिले के गोहपुर के भोलागुड़ी क्षेत्र में लगभग 415 करोड़ की लागत से बनेगा। इसका क्षेत्रफल 241 एकड़ होगा, करीब 7 लाख वर्ग फीट का निर्मित क्षेत्र शामिल रहेगा। 2,000 छात्रों के लिए शैक्षणिक भवन, 1,620 छात्रों के लिए हॉस्टल, आवासीय क्वार्टर, गेस्ट हाउस और स्टूडेंट फैसिलिटी

विवि की आधारशिला रखतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, साथ में सीएम हिमंता बिस्वा

सेंटर होंगे। इसमें एआई, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, ड्रोन और नेविगेशन टेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे कोर्स होंगे।

कहा- कांग्रेस का दिल और दिमाग पूरी तरह हिला

बिहार में भाजपा एनडीए की सरकार फिर बनेगी कांग्रेस ने कट्टे वाला बयान हताशा में दियाः त्रिवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि आज कांग्रेस ने जिस प्रकार का वक्तव्य दिया है कि नीतीश कुमार को भी अब प्रधानमंत्री से कट्टे के द्वारा मुख्यमंत्री का पद घोषित करवा देना चाहिए, वैसे इसमें कुछ भी नया नहीं है। कांग्रेस अपनी फितरत के अनुसार बोल रही पर इससे तीन निष्कर्ष बहुत साफ है।

पहली बात, कांग्रेस ने अब मान लिया है कि अब नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। बिहार में भाजपा एनडीए की सरकार स्पष्ट रूप से बनने जा रही है, संभवत पहले चरण के मतदान के बाद उनके दिमाग में स्पष्ट हो गया है। दूसरी बात, पहले चुनाव से पहले एसआईआर का मुद्दा उठाना चुनाव के दौरान इस प्रकार की कट्टे वाली बात करने का प्रयास करना दर्शाता है कि किसी भी विकास आधारित मुद्दे पर अब वो बिहार की या केंद्र की एनडीए सरकार के विरुद्ध कुछ भी बोलने का आधार उनके पास नहीं रह गया है और तीसरा कि प्रधानमंत्री ने जो बात बोली थी कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखवाकर मुख्यमंत्री की उम्मीदवारी घोषित करवा ली वह बात आज साबित हो गई। कांग्रेस का यह बयान उसकी स्वीकारोक्ति है। त्रिवेदी ने कहा कि और इसी के साथ यह भी समझ में आया कि कनपटी की वह धमक बहुत गहरे तक अंदर गई है और जिससे कांग्रेस का दिल और दिमाग पूरी तरीके से हिल गया है और यह खींज यह बौखलाहट उनके बयान में साफ नजर आ रही है और जहां तक कांग्रेस ने यह कहा कि जिसकी जैसी भावना होती है तो मैं भी उनकी भावना का सम्मान करते हुए कहना चाहूंगा निश्चित रूप से उनकी भावना आहत हुई होगी, क्योंकि उनकी नजर में राजन का स्तर तो कट्टे वाला है। सुधांशु ने कहा कि परंतु हम बिहार की जनता की राजनैतिक जागरूकता पर पूर्ण विश्वास रखते हैं वह निर्णायक और प्रभावी जनादेश भाजपा एनडीए के पक्ष में देने जा रही है। केंद्र में मोदी जी और बिहार में नीतीश जी के नेतृत्व में और कांग्रेस का यह बयान अपनी अवश्यसंभावी हार की पराजय को देखते हुए घबराहट-बौखलाहट में दिया गया बयान मात्र है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय, आपको ग्रोथ ऑप्शन और डिविडेंड ऑप्शन में से एक का चयन करना होता है। ये दोनों ऑप्शन आपके निवेश के उद्देश्य और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करते हैं।

म्यूचुअल फंड के ग्रोथ या डिविडेंड ऑप्शन में से बेहतर क्या और क्यों?

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के लिए क्या रहेगा फायदे का सौदा ग्रोथ और डिविडेंड किसमें मिलेगा ज्यादा फायदा, फैसला गलत हो जाए तो कैसे स्विच करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कई बार निवेशकों को यह कनफ्यूजन हो सकता है कि किसी स्कीम का ग्रोथ ऑप्शन चुनें या डिविडेंड ऑप्शन बेहतर रहेगा? सही ऑप्शन का चुनाव आपके रिटर्न को बढ़ा सकता है, जबकि गलत सेलेक्शन से आपका मुनाफा घट सकता है। यही वजह है कि समझदारी से लिया गया फैसला आपके इनवेस्टमेंट की ग्रोथ को कई गुना बढ़ा सकता है। आमतौर पर ग्रोथ विकल्प बेहतर होता है, क्योंकि यह लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज के कारण अधिक धन बनाता है, जबकि डिविडेंड विकल्प उन निवेशकों के लिए बेहतर है जो नियमित आय चाहते हैं। ग्रोथ में, फंड लाभ को फिर से निवेश करता है, जिससे निवेश का मूल्य समय के साथ बढ़ता है, जबकि डिविडेंड में, फंड आय वितरित करता है, जिससे चक्रवृद्धि ब्याज का प्रभाव कम हो जाता है। आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं दोनों ऑप्शंस का फर्क, फायदे और स्विच करने के नियम।

ग्रोथ ऑप्शन के फायदे

म्यूचुअल फंड के ग्रोथ ऑप्शन में आपके निवेश पर जो भी मुनाफा बनता है, वो आपको कैश में नहीं दिया जाता है, बल्कि, वह पैसा दोबारा उसी म्यूचुअल फंड फिर से इनवेस्ट कर दिया जाता है। इसका फायदा यह होता है कि आपके मुनाफे पर भी मुनाफा जुड़ने लगता है, जिससे कंपाउंडिंग का बेनिफिट मिलता है। समय के साथ कंपाउंडिंग की यह ताकत आपकी पूंजी को तेजी से बढ़ाने में मदद करती है. यही वजह है कि ग्रोथ ऑप्शन में फंड की नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी ज्यादा तेजी से बढ़ती है।

डिविडेंड ऑप्शन क्या है

पहले जिसे डिविडेंड ऑप्शन कहा जाता था, उसे अब 'इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल' ऑप्शन यानी आईडीसीडब्ल्यू का नाम दे दिया गया है। इसमें फंड से मिलने वाला मुनाफा समय-समय पर निवेशकों में बांट दिया जाता है। हालांकि पेआउट की यह फ्रीक्वेंसी फिक्स नहीं होती, लेकिन जब भी ऐसा भुगतान किया जाता है, फंड की एनएवी घट जाती है। इसका मतलब है कि लंबे समय में आपकी पूंजी उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाती जितनी ग्रोथ ऑप्शन में बढ़ सकती है। सेबी ने डिविडेंड ऑप्शन का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू इसलिए रखा, ताकि निवेशकों को यह समझ में आए कि इस पेआउट में कुछ हिस्सा आपकी अपनी पूंजी से निकलता है. यह कोई गारंटीड इनकम जैसा विकल्प नहीं हैं।

कौन सा विकल्प सही

ग्रोथ और डिविडेंड ऑप्शन में आपके लिए कौन सा विकल्प सही है, यह पूरी तरह आपके आर्थिक लक्ष्य और निवेश के मकसद से तय होता है। अगर आप रिटायर्ड हैं या किसी वजह से रेगुलर इनकम (आपके लिए जरूरी है, तो आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन आपके लिए बेहतर हो सकता है, लेकिन अगर आप लंबी अवधि के लिए पैसे लगा रहे हैं और चाहते हैं कि आपका पैसा लगातार बढ़ता रहे, तो ग्रोथ ऑप्शन सही रहेगा। लंबे समय में देखा जाए तो ग्रोथ ऑप्शन आमतौर पर बेहतर रिटर्न देता है, क्योंकि इसमें कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। वहीं, आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन उन निवेशकों के लिए है जो समय-समय पर पैसा निकालना चाहते हैं और रेगुलर इनकम चाहते हैं।

गलत विकल्प चुन लिया हो तो क्या करें?

म्यूचुअल फंड में सही ऑप्शन चुनना उतना ही जरूरी है जितना सही फंड चुनना. दोनों की अपनी-अपनी खूबियां और सीमाएं हैं।

कई निवेशक शुरुआत में रेगुलर इनकम पाने के लिए या किसी कनफ्यूजन की वजह से आईडीसीडब्ल्यू चुन लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें महसूस होता है कि अगर उनका पूरा मुनाफा फंड में ही दोबारा निवेश होता, तो लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिल सकता था। ऐसा होने पर निवेशक अपने पैसों को ग्रोथ ऑप्शन में स्विच कर सकते हैं, लेकिन उससे पहले म्यूचुअल फंड पर लागू होने वाले टैक्स के नियमों और एग्जिट लोड के असर को समझना जरूरी है।

आईडीसीडब्ल्यू से ग्रोथ ऑप्शन में कैसे स्विच करें

अगर आप अपने म्यूचुअल फंड इनवेस्टमेंट को डिविडेंड या आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन से ग्रोथ ऑप्शन में स्विच करना चाहते हैं, तो इसके लिए एक फॉर्म भरना होता है। फंड स्विचिंग की यह प्रॉसेस आमतौर पर 24 घंटे में पूरी हो जाती है, लेकिन याद रखें कि इस तरह का स्विच रिडेम्पशन और नई खरीदारी दोनों ही माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको यूनिट होल्ड करने की अवधि के हिसाब से एग्जिट लोड और कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ सकता है। इसलिए फैसला करने से पहले पूरी टैक्स देनदारी को जरूर समझ लें।

निवेश का उद्देश्य लंबी अवधि के लिए पूंजी की वृद्धि

डिविडेंड : डिविडेंड का भुगतान नहीं किया जाता है, बल्कि इसे फंड में पुनर्निवेश किया जाता है।

निवेश की वृद्धि : निवेश की वृद्धि होती है, जिससे आपका मूल निवेश बढ़ता है।

कर लाभ : ग्रोथ ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान नहीं किया जाता है।

डिविडेंड ऑप्शन

- **निवेश का उद्देश्य :** नियमित आय प्राप्त करना।
- **डिविडेंड :** डिविडेंड का भुगतान किया जाता है, जिससे आपको नियमित आय मिलती है।
- **निवेश की वृद्धि :** निवेश की वृद्धि कम होती है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।
- **कर लाभ :** डिविडेंड ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ नहीं मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।

कब ग्रोथ ऑप्शन चुनें

- **लंबी अवधि के निवेशक :** यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और पूंजी की वृद्धि करना चाहते हैं।
- **नियमित आय की आवश्यकता नहीं :** यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता नहीं है और आप अपने निवेश को बढ़ाना चाहते हैं।

कब डिविडेंड ऑप्शन चुनें

- **नियमित आय की आवश्यकता :** यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता है और आप अपने निवेश से आय प्राप्त करना चाहते हैं।
- **अल्पकालिक निवेशक :** यदि आप अल्पकालिक निवेश करना चाहते हैं और नियमित आय प्राप्त करना चाहते हैं।

गलत फंड चुनने से बचना चाहते हैं तो निवेश से पहले जान लें ये टिप्स

- बाजार में मौजूद 250 से ज्यादा ईटीएफ में से अपने लिए सही फंड चुनना आसान नहीं
- लक्ष्य और कुछ बातों को ध्यान में रखेंगे तो सही फंड में निवेश करना आसान हो जाएगा

अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती
अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका रिटर्न पर बुरा असर पड़ेगा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। वजह साफ है। ईटीएफ बेहद कम खर्च में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने का मौका देते हैं। इसके साथ ही उन्हें एक्सचेंज पर जाकर स्टॉक्स की तरह आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है, लेकिन बाजार में 250 से ज्यादा ईटीएफ मौजूद हैं। ऐसे में अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती हो सकता है। अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका आपके रिटर्न पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप अपने निवेश के लिए सही ईटीएफ चुनना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ ऐसे ही टिप्स जो आपको सही फंड चुनने में मदद करेंगे।

आपका ईटीएफ किस इंडेक्स को ट्रैक करता है

हर ईटीएफ किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करता है। यानी आप इनडायरेक्ट तौर पर उस इंडेक्स में शामिल कंपनियों या एसेट्स में निवेश कर रहे होते हैं। मसलन, अगर आपका ईटीएफ निफ्टी 50 या सेंसेक्स को फॉलो करता है, तो आप उनके जरिये देश की टॉप कंपनियों की हिस्सेदारी खरीद रहे होते हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि आपका चुना हुआ ईटीएफ किस इंडेक्स से जुड़ा है और क्या वह आपके निवेश के उद्देश्य से मेल खाता है। सही इंडेक्स का चुनाव लंबे समय में बेहतर रिटर्न की दिशा तय करता है।

ट्रैकिंग एरर पर रखिए खास नजर

हर ईटीएफ कोशिश करता है कि वह अपने बेंचमार्क इंडेक्स को हूबहू फॉलो करे, लेकिन हर बार ऐसा संभव नहीं होता. इस छोटे फर्क को ही ट्रैकिंग एरर कहा जाता है। अगर यह एरर कम है, तो ईटीएफ अपने इंडेक्स के रिटर्न से काफी हद तक मेल खाता है। वहीं, अगर ट्रैकिंग एरर ज्यादा है, तो आपके रिटर्न उम्मीद से कम हो सकते हैं। इसलिए हमेशा ऐसे ईटीएफ को चुनना बेहतर रहता है, जिसका ट्रैकिंग एरर कम से कम हो।

लिक्विडिटी यानी खरीदना-बेचना कितना आसान

निवेश का मकसद सिर्फ रिटर्न पाना नहीं होता, बल्कि आपके पास जरूरत पड़ने पर पैसा निकालने की बेहतर सुविधा होनी भी जरूरी है। इसलिए ईटीएफ की लिक्विडिटी बेहद अहम होती है। अगर किसी ईटीएफ में रोजाना अच्छा कारोबार होता है, यानी खरीदने और बेचने वालों की संख्या काफी है, तो उसे कभी भी बेचना आसान रहेगा, लेकिन अगर फंड का ट्रेडिंग वॉल्यूम कम है, तो आपको जरूरत पड़ने पर कम समय में अपनी यूनिट्स बेचने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा ऐसे ईटीएफ का चुनाव करें जिसे जरूरत पड़ने पर आसानी से खरीदा या बेचा जा सके।

ईटीएफ के प्राइस और एनएवी में फर्क को समझें

ईटीएफ की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) यह बताती है कि उसमें शामिल एसेट्स का मौजूदा मूल्य कितना है। आम तौर पर ईटीएफ का मार्केट प्राइस उसके एनएवी के आसपास होना चाहिए, लेकिन कई बार मार्केट प्राइस इससे काफी ऊपर या नीचे भी ट्रेड करता है। अगर ईटीएफ का प्राइस उसकी एनएवी से काफी ज्यादा है, तो आप जरूरत से ज्यादा पैसे चुका रहे हैं। इसलिए निवेश से पहले हमेशा देखें कि ईटीएफ की कीमत उसकी एनएवी के करीब हो, ताकि आपका पैसा सही वैल्यू पर निवेश किया जा सके।

एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना न भूलें

हर ईटीएफ को चलाने के लिए मैनेजमेंट कॉस्ट लगती है, जिसे एक्सपेंस रेशियो कहा जाता है। इसका आंकड़ा पहली नजर में भले ही बेहद छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में यह आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी ईटीएफ का एक्सपेंस रेशियो 0.05% है और दूसरे का 0.10%, तो शुरुआत में फर्क छोटा दिखेगा, पर साल दर साल यही फर्क आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। इसलिए बाकी बातें समान रहने पर हमेशा उसी ईटीएफ का चुनाव करें, जिसका एक्सपेंस रेशियो कम हो। सही ईटीएफ का चुनाव करना किसी भी निवेशक के लिए बड़ा फैसला होता है, क्योंकि इसी से तय होता है कि आगे चलकर आपका निवेश कितना स्टेबल और फायदेमंद रहेगा।

सही फैसला लें

अगर आप ऊपर बताई गई बातों-बेंचमार्क इंडेक्स, ट्रैकिंग एरर, लिक्विडिटी, प्राइस-एनएवी डिफरेंस और एक्सपेंस रेशियो - को ध्यान में रखकर फंड चुनेंगे, तो सही फैसला लेना आसान होगा। याद रखें, सारे ईटीएफ एक जैसे नहीं होते। इसलिए जल्दबाजी में नहीं, बल्कि समझदारी के साथ सही ईटीएफ चुनें।

क्या है ईटीएफ

ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश उत्पाद है जो शेयर बाजार में ट्रेड किया जाता है। यह एक म्यूचुअल फंड की तरह होता है, लेकिन इसे शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है जैसे कि शेयर।

ईटीएफ की विशेषताएं

1. **ट्रेडेबिलिटी :** ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
2. **डाइवर्सिफिकेशन :** ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर, बॉन्ड, या अन्य सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
3. **लो कॉस्ट :** ईटीएफ की फीस आम तौर पर म्यूचुअल फंड की तुलना में कम होती है।
4. **ट्रांसपेरेंसी :** ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के प्रकार

1. **इक्विटी ईटीएफ :** ये ईटीएफ शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
2. **बॉन्ड ईटीएफ :** ये ईटीएफ बॉन्ड में निवेश करते हैं।
3. **सेक्टोरल ईटीएफ :** ये ईटीएफ विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।
4. **इंटरनेशनल ईटीएफ :** ये ईटीएफ विदेशी शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
5. **गोल्ड ईटीएफ :** ये ईटीएफ सोने में निवेश करते हैं।

ईटीएफ के लाभ

1. **डाइवर्सिफिकेशन :** ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर या सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
2. **लो कॉस्ट :** ईटीएफ की फीस आम तौर पर कम होती है।
3. **ट्रेडेबिलिटी :** ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
4. **ट्रांसपेरेंसी :** ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के जोखिम

1. **मार्केट जोखिम :** ईटीएफ के मूल्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है।
2. **लिक्विडिटी जोखिम :** ईटीएफ की लिक्विडिटी कम हो सकती है।
3. **ट्रैकिंग एरर :** ईटीएफ का प्रदर्शन उसके अंडरलाइंग इंडेक्स के प्रदर्शन से भिन्न हो सकता है।

आय का मुख्य स्रोत आप खुद हैं या परिवार पर आपकी जिम्मेदारी तो यह सही कदम

कई बार बैंक सिर्फ अपने कमीशन के लिए भी लोन इंश्योरेंस बेचते हैं

एजेंट की बातों से न हों कनफ्यूज, लोन का इंश्योरेंस का कदम सही या गलत ऐसे समझें

सलाह
बिजनेस डेस्क

जब आप कोई लोन लेते हैं, तो बैंक या एजेंट अक्सर लोन इंश्योरेंस लेने की सलाह देते हैं, लेकिन क्या वाकई इसकी जरूरत होती है? हर स्थिति में नहीं। लोन इंश्योरेंस समझदारी का कदम तब है जब आपकी आय का मुख्य स्रोत आप खुद हैं या परिवार पर आपकी जिम्मेदारी है, लेकिन कई बार बैंक सिर्फ अपने कमीशन के लिए भी इसे बेचते हैं। इसलिए आप एजेंट की बातों के कनफ्यूज न हों और अपने लिए सही विकल्प चुनें। तभी आप लोन लेकर खुद को सुरक्षित कर सकते हैं, वरना कई यह आपके गले की फांस भी बन सकता है। अक्सर जब आप बैंक या एनबीएफसी से पर्सनल लोन, होम लोन या कार लोन लेने जाते हैं, तो एजेंट आपको एक और प्रोडक्ट बेचने की कोशिश करता है- लोन इंश्योरेंस वह कहता है कि अगर किसी वजह से आप लोन नहीं चुका पाए तो यह इंश्योरेंस आपकी ईएमआई भर देगा या आपके परिवार पर बोझ नहीं डालेगा। पहली नजर में यह बात सही लगती है, लेकिन असल में हर बार लोन इंश्योरेंस लेना फायदेमंद नहीं होता है। कई बार यह सिर्फ बैंक या एजेंट का कमिशन कमाने का तरीका होता है। इसलिए बिना समझे इंश्योरेंस खरीदना नुकसानदायक हो सकता है।

लोन इंश्योरेंस होता क्या है?

लोन इंश्योरेंस एक ऐसी पॉलिसी होती है जो यह सुनिश्चित करती है कि अगर किसी वजह से लोन लेने वाला व्यक्ति ईएमआई नहीं भर पाता, तो इंश्योरेंस कंपनी बाकी ईएमआई का भुगतान करेगी। इसका मकसद बैंक या लेंडर को डिफॉल्ट रिस्क से बचाना होता है, लेकिन ध्यान दीजिए कि यह सुरक्षा आपके परिवार के लिए नहीं, बल्कि बैंक के लिए होती है। यानी बैंक को तो उसका पैसा मिल जाता है, पर आपके परिवार को सीधा फायदा नहीं होता।

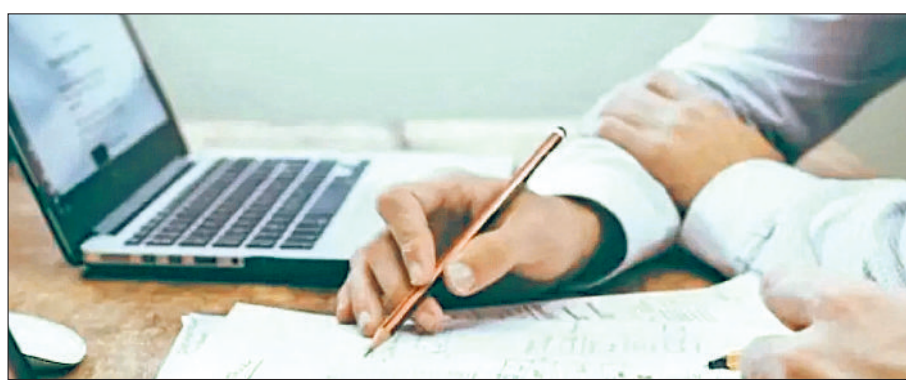

कब जरूरी है लोन इंश्योरेंस?

हर लोन के साथ इंश्योरेंस जरूरी नहीं, लेकिन कुछ परिस्थितियों में यह समझदारी भरा कदम हो सकता है।

1. **होम लोन या बड़ी रकम वाला लोन :** अगर आपने लंबी अवधि के लिए होम लोन या बिजनेस लोन लिया है, तो इंश्योरेंस आपको और परिवार को राहत दे सकता है।
2. **अगर आप सोल ब्रेडविनर हैं :** अगर परिवार में कमाने वाले आप ही हैं और किसी कारणवश आपकी मृत्यु हो जाए या नौकरी छूट जाए, तो यह पॉलिसी बाकी लोन चुका सकती है।
3. **अगर आपका प्रोफेशन रिस्की है :** जो लोग खतरनाक कामों में हैं या फिर मेडिकल इंडस्ट्री में हैं, तो उनके लिए यह इंश्योरेंस जरूरी है।

कब नहीं लेना चाहिए लोन इंश्योरेंस?

कई बार बैंक या एजेंट आपको डर दिखाकर यह पॉलिसी थमा देते हैं, लेकिन हर केस में इसकी जरूरत नहीं होती।

1. **अगर आपके पास लाइफ इंश्योरेंस पहले से है :** अगर आपके पास पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस है, तो अलग से लोन इंश्योरेंस लेने की जरूरत नहीं है। आपका टर्म प्लान परिवार को पूरी सुरक्षा देता है।
2. **अगर लोन छोटी अवधि का है :** जैसे पर्सनल लोन 1-2 साल के लिए हो या कार लोन बहुत छोटी रकम का हो, तो उस पर इंश्योरेंस का प्रीमियम देना बेकार है।
3. **अगर ईएमआई आपकी इनकम का छोटा हिस्सा है :** जब ईएमआई आपकी इनकम का सिर्फ 10-15% हो, तो अतिरिक्त इंश्योरेंस का खर्च आपकी जेब पर बोझ बन सकता है।

एजेंट से कनफ्यूज ना हों

एजेंट या बैंक अधिकारी कई बार कहते हैं कि बिना इंश्योरेंस लोन अप्रूव नहीं होगा, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। आरबीआई और इरडा दोनों ने साफ किया है कि लोन इंश्योरेंस कभी भी अनिवार्य नहीं होता। अक्सर ग्राहक कन्फ्यूज होकर पॉलिसी ले लेता है, जो बाद में बेकार साबित होती है।

कितना होता है लोन इंश्योरेंस का प्रीमियम?

अगर आप 10 लाख रुपये का लोन करीब 5 साल के लिए लेते हैं तो उस पर आपको 10-12 हजार रुपये का इंश्योरेंस प्रीमियम लग सकता है। यह प्रीमियम कम-ज्यादा हो सकता है और आप इस पर बारगेनिंग भी कर सकते हैं। यह प्रीमियम या तो आपसे एकमुश्त लिया जाता है या लोन राशि में जोड़ दिया जाता है। मतलब, कुछ मामलों में आप उसके ऊपर भी ब्याज चुकाते हैं।

क्या लोन इंश्योरेंस टैक्स बेनिफिट देता है?

कुछ लोन इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स बेनिफिट मिल सकता है, लेकिन यह इंश्योरेंस के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर पॉलिसी लाइफ इंश्योरेंस कैटेगरी में आती है, तो सेक्शन 80सी के तहत छूट मिल सकती है, लेकिन अगर यह केवल क्रेडिट प्रोटेक्शन पॉलिसी है, तो टैक्स बेनिफिट नहीं मिलता।

सही निर्णय कैसे लें?

1. **तुलना करें :** विभिन्न इंश्योरेंस कंपनियों के प्रीमियम और कवरेज की तुलना करें।
2. **एजेंट की बातों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें :** हर सलाह के पीछे कमीशन छिपा हो सकता है।
3. **अपनी जरूरत देखें :** अगर आपका लोन छोटा है या पहले से टर्म इंश्योरेंस है, तो अतिरिक्त इंश्योरेंस की जरूरत नहीं।
4. **पॉलिसी डॉक्युमेंट पढ़ें :** साइन करने से पहले उसके सभी दस्तावेजों को जरूर समझें। यानी किन परिस्थितियों में क्लेम नहीं मिलेगा।

लोन इंश्योरेंस एक अच्छा सेफ्टी नेट

लोन इंश्योरेंस एक अच्छा सेफ्टी नेट है, लेकिन हर किसी के लिए जरूरी नहीं। अगर आपके ऊपर बड़ा लोन है, परिवार आप पर निर्भर है या आपकी हेल्थ रिस्की है, तो इसे लेना समझदारी है, लेकिन अगर आपका लोन छोटा है, ईएमआई कंट्रोल में है और टर्म इंश्योरेंस पहले से है, तो एजेंट की बातों में आकर इंश्योरेंस लेने की जरूरत नहीं। हमेशा याद रखें कि लोन इंश्योरेंस बैंक के लिए सुरक्षा है, आपके लिए नहीं।

खबर संक्षेप

21 साल के राहुल वीएस बने भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को एक राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने लिखा, 'राहुल वीएस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करने और भारत को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' फिलीपींस में आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप में राहुल ने जीत हासिल करके अपना अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। वह पिछले दो सप्ताह के अंदर ग्रैंडमास्टर बनने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युवा खिलाड़ी इलमपर्थी एआर ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

एशेज सीरीज का प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया : वुड

पर्थ। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया आगामी एशेज श्रृंखला में प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए आत्मविश्वास से भरी है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 से ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला नहीं जीत पाई है और उसका लक्ष्य इस बार यह इंतजार खत्म करने का होगा। वुड ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से श्रृंखला में प्रबल दावेदार है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी टीम में भी इस बात का आत्मविश्वास है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' मार्क वुड ने 15 महीनों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है और वह फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में भी नहीं खेले हैं। इस टूर्नामेंट के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी। वह इंग्लैंड की गेंदबाजी योजनाओं का एक अहम हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत प्रतिशत फिट हूं। मुझे लगता है कि अभ्यास के दौरान हमेशा अपना शत प्रतिशत देना बहुत मुश्किल है। मैं लंबे समय तक दौड़ नहीं लगा पाया था लेकिन धीरे-धीरे मैं अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रहा हूं। मुझे विश्वास है कि मैं पहले टेस्ट मैच तक में खेलने के लिए पूरी तरह फिट हो जाऊंगा।'

पंत को लगी चोट, फिर भी की बल्लेबाजी

बेंगलुरु। भारत 'ए' के कप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका 'ए' के

खिलाफ चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए दोबारा मैदान पर उतरते ही चोट की चिंताओं को दूर कर दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के मैदान पर दिन के शुरुआती सत्र के अंतिम क्षणों में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोराकी की गेंद पर तीन बार चोट लगने के बाद पंत को एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर ले जाया गया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बारिश में धुला भारत और आस्ट्रेलिया का अंतिम टी20 मैच, टीम इंडिया ने जीती सीरीज

अभिषेक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सबसे तेज पूरे किए 1 हजार रन, बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मैच ब्रिसबेन में खेला गया। इस मुकाबले में बारिश आने से पहले ही अभिषेक शर्मा ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

अभिषेक ने जैसे ही अपनी बैटिंग के दौरान 11वां रन बनाया तो वह दुनिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज एक हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले बैटर बन गए। ब्रिसबेन मुकाबले से पहले अभिषेक शर्मा के नाम 521 गेंदों में 989 रन दर्ज थे। लेकिन गाबा के मैदान में उन्होंने सात गेंद में जैसे ही 11 रन और बनाए तो उनके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

अभिषेक शर्मा ने 528 गेंद में 1 हजार रन पूरे किए और ऐसा करने वाले पहले बैटर बन गए हैं। जबकि इससे पहले 569 गेंद में टिम डेविड ने 1 हजार टी20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए थे। 573 गेंद में सूर्यकुमार यादव और 599 गेंद में इंग्लैंड के फिल साल्ट ने टी20 में एक हजार रन पूरे किए थे।

अभिषेक ने 528 गेंदों में पूरे किए एक हजार रन

अभिषेक का टी20 कॅरियर

भारत के लिए तूफ़ानी सलामी बैटर के रूप में जगह बनाने वाले अभिषेक शर्मा भारत के लिए अभी तक 29 टी20 मैचों में एक हजार से अधिक रन बना चुके हैं और वह 37 के करीब की औसत और 189 के धांसू स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अभिषेक शर्मा का तूफ़ानी अंदाज अगले साल 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के काफी काम आएगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। अभिषेक ने सीरीज में 163 रन बनाए। अभिषेक लगातार दूसरी सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने हैं। एशिया कप 2025 में भी वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

बारिश के कारण मैच रद्द

अभिषेक शर्मा की बात करें तो वह चार मैचों में 140 रन बनाकर टॉप में चल रहे थे। इसके बाद अंतिम टी20 मैच में भी उनका बल्ला चला लेकिन बारिश आने से पहले पांच रन और 11 रन पर अभिषेक के दो कैच छूटे। दो जीवनदान मिलने के चलते अभिषेक शर्मा 13 गेंद में एक चौके और एक छक्के से 23 रन बनाकर नाबाद रहे तो शुभमन गिल भी 16 गेंद में छह चौके से 29 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने बारिश आने तक 4.5 ओवर में बिना विकेट गंवाए 52 रन बनाए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई, जिससे मैच रद्द करना पड़ा।

सबसे कम गेंदों पर 1 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज

528 गेंद - अभिषेक शर्मा
573 गेंद - सूर्यकुमार यादव
599 गेंद - फिल साल्ट
604 गेंद - ग्लेन मैक्सवेल
609 गेंद - आंद्रे रसेल/ फिन एलन

सबसे कम पारियों में 1 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी

27 पारी - विराट कोहली
28 पारी - अभिषेक शर्मा
29 पारी - केएल राहुल
31 पारी - सूर्यकुमार यादव
40 पारी - रोहित शर्मा

2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया से नहीं गंवाई टी20 सीरीज

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार चौथी टी20आई सीरीज में जीत दर्ज की। साथ ही साथ भारत ने साल 2008 के बाद से ऑस्ट्रेलिया से कोई भी टी20 सीरीज नहीं गंवाई है। यही नहीं सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेली और इसमें भारत को शानदार जीत मिली।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप

इलावेनिल ने कांस्य और रविंदर ने स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी ▶▶| काहिरा

दो बार की ओलंपियन इलावेनिल वालारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन दिखाया लेकिन कांस्य पदक ही जीत सकीं जबकि सेना के अनुभवी निशानेबाज रविंदर सिंह ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (पिस्टल और राइफल) के पहले दिन 50 मीटर फ्री पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। इलावेनिल (26 साल) फाइनल में बढ़त बनाने के बाद पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में थीं लेकिन 19वें शॉट में 10.0 अंक से वह तीसरे स्थान पर खिसक गईं और यहीं से उनकी लय टूट गई। इसके बाद वह 22वें शॉट में 9.9 अंक ही बना सकी और 232 के स्कोर से तीसरे स्थान पर रहीं। दक्षिण कोरिया की बान ह्योजिन ने 255.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की वांग जिफेई 254.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। इलावेनिल, मेघना सज्जनार और श्रेया अग्रवाल की भारतीय महिला टीम ने 1893.3 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता जबकि चीन (1901.7) और दक्षिण कोरिया (1899.9) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता।

जुरेल ने ठोका शतक, पंत ने खेली तूफानी पारी भारत ए ने साउथ अफ्रीका को दिया 417 का टारगेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया ए के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी करते हुए दूसरी पारी में भी शतक लगा दिया। ध्रुव पहली पारी में भी शतक लगाकर नाबाद (137 रन) रहे थे और भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचाने का काम किया था। ध्रुव जुरेल ने दूसरी पारी में भी टीम को मुसीबत से निकालने का काम किया और अपना शतक पूरा किया। ये उनका दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ बैक-टू-बैक शतक रहा साथ ही ये उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का 5वां शतक रहा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट से पहले ध्रुव का लय में आना टीम इंडिया के लिए काफी अच्छा संकेत है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरी पारी में 7 विकेट पर 382 रन

बनाए और पारी की घोषणा कर दी। इसके साथ ही भारत की कुल बढ़त 416 रन की हो गई और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 417 रन का टारगेट मिला है।

जुरेल का लगातार दूसरा शतक

दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने अपना शतक 159 गेंदों पर पूरा किया। ध्रुव ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 12 चौके लगाे। ध्रुव ने दूसरी पारी में हर्ष दुबे के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 250 गेंदों पर 184 रन की शानदार साझेदारी की। हर्ष दुबे ने भी टीम के लिए अच्छी पारी खेली और उन्होंने 116 गेंदों पर 84 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक छक्का और 12 चौके निकले।

पंत ने 48 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने 170 गेंदों पर एक छक्का और 15 चौकों की मदद से नाबाद 127 रन की पारी खेली। वहीं मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में कप्तान ऋषभ पंत पहले रिटायर हर्ट हो गए, लेकिन इसके बाद वो बैटिंग के लिए मैदान पर आए और अपना अर्धशतक सिर्फ 48 गेंदों पर छक्के के साथ पूरा किया और दूसरी पारी में उन्होंने 54 गेंदों पर 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से 65 रन की तेज पारी खेली।

सुल्तान अजलान शाह कप के लिए कप्तानी करेंगे संजय

नई दिल्ली। डिफेंडर संजय 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को 23 से 30

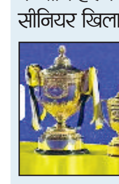

नवंबर तक मलेशिया के इपोह में होने वाले प्रतिष्ठित आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है। भारत की पहली पसंद के दोनों गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को आराम दिया गया है। उनकी जगह पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार को टीम में चुना गया है। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर मनदीप सिंह भी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराया अब रयबाकिना से खिताबी मुकाबला

रियाद। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रयबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। सबालेंका को चौथे नंबर की अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी। पहला सेट एक घंटे तक चला। अनिसिमोवा ने ब्रेक प्वाइंट के पांच मौके गंवाए और 24 अनफोर्स्ड एरर किए। लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और तीन बार सबालेंका की सर्विस तोड़कर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। सबालेंका ने निर्णायक सेट के सातवें गेम में ब्रेक बनाकर स्कोर 4-3 कर दिया और फिर मैच अपने नाम किया।

अहमद की फिरकी से दक्षिण अफ्रीका 143 रन पर सिमटा, पाकिस्तान ने वनडे श्रृंखला 2-1 से जीती

फैसलाबाद (पाकिस्तान)। लेग स्पिनर अबरार अहमद ने 27 रन देकर चार विकेट झटकते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की जिससे पाकिस्तान ने शनिवार को तीसरे और अंतिम वनडे में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान दौरे पर सभी प्रारूप में लगातार सात टॉस गंवाने के बाद पहला टॉस जीता लेकिन पूरी टीम 37.5 ओवर में 143 रन पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी आठ विकेट सिर्फ 37 रन पर गंवा दिए। सलामी बल्लेबाज सैम अयूब ने इसके बाद 11 चौके और एक छक्के की मदद से 77 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे पाकिस्तान ने सिर्फ 25.1 ओवर में तीन विकेट पर 144 रन बनाकर श्रृंखला जीत ली।

टोकियो डेफलिम्पिक्स के लिए भारत भेजेगा 111 सदस्यों का दल

नई दिल्ली। भारत 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक टोकियो में होने वाले डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) के लिए 73 खिलाड़ियों सहित 111 सदस्यों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। भारतीय खिलाड़ी 11 खेल एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है। इसका खर्चा

सरकार वहन करेगी। भारत मई 2022 में ब्राजील में आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य सहित 16 पदक जीतकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 77 प्रतिभागी देशों में नौवें स्थान पर रहा था। डेफलिम्पिक्स का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बधिर खेल समिति (आईसीएसडी) की ओर से किया जाता है। यह समिति अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक

भारत की महिला क्रिकेटरों का जलवा नई ऊंचाइयों पर पहुंची ब्रांड वैल्यू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को महिला वनडे विश्व कप में पहली बार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली खिलाड़ियों का इसके बाद ब्रांड मूल्य भी आसमान छूने लग गया है और उनके पास पैसा कमाने का यह सबसे अच्छा मौका है।

स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उन्हें संभालने वाली प्रबंधन फर्मों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील हो जाएगा। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा

बनाने के लिए कतार में लगे ब्रांडों में ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल और शिक्षा निगमों के साथ भी सौदे होने की उम्मीद है।

मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली बेसलाइन वेंचर्स के एमडी और सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा तथा शेफाली और जेमिमा का प्रबंधन करने वाले जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव दोनों महिला क्रिकेटरों के भविष्य के बारे में उत्साहित थे।

यिंग ने 17 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में रहीं उपविजेता

बैडमिंटन की दिग्गज ताई जु ने हमेशा के लिए छोड़ा कोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टोकियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे की महिला बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी ताई जु यिंग ने खेल से संन्यास ले लिया है, जिसके साथ उनके शानदार करियर का अंत हो गया है, जिसमें उन्होंने 17 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं।

अपनी कलात्मकता और कलाई के जादू के लिए मशहूर 31 वर्षीय शटलर ने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें संन्यास का फैसला करना पड़ा। उन्होंने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब 2024 में इंडिया ओपन में जीता था।

एक खूबसूरत अध्याय समाप्त

ताई जु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'एक खूबसूरत अध्याय समाप्त हो गया है। बैडमिंटन, आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभार।' उन्होंने कहा,'आखिरकार मेरी चोटों ने मुझे कोर्ट छोड़ने पर मजबूर कर दिया। मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा।'' दक्षिणी ताइवान के शहर काऊशुंग में जन्मी ताई जु पिछले साल से चोटों से जूझ रही थी और अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर पाई। विश्व चैंपियनशिप दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करूंगी, लेकिन फिलहाल मैं अलार्म घड़ियों के बिना जीवन का आनंद लेने जा रही हूं।'

सिंधू ने लिखा मार्मिक संदेश

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक मार्मिक संदेश लिखा। सिंधू ने कहा, 'पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक आप मेरी ऐसी प्रतिद्वंद्वी रही, जिन्होंने मुझे हर बार मेरी सीमा तक धकेला। मेरे जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण पदक रियो 2016 ओलंपिक में रजत और 2019 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण मैंने आपके साथ उन मैराथन और सांस थाम देने वाले मुकाबलों के बाद हासिल किए।'

चालाकी भरा खेल और शांत प्रतिभा ने किया प्रभावित : सिंधू

सिंधू ने लिखा, 'मैं इस बात नहीं छिपाऊंगी, मुझे आपके साथ खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। आपकी कलाई की कला, आपका चालाकी भरा खेल, आपकी शांत प्रतिभा ने मुझे उससे भी ज्यादा गहराई तक जाने के लिए प्रेरित किया, जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। आपका सामना करने से एक खिलाड़ी के रूप में मैं बदल गई।' भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन प्रतिद्वंद्विता से परे हमारे बीच अच्छी दोस्ती और एक दूसरे के प्रति सम्मान था। आपके संन्यास लेने से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने सफर का एक हिस्सा खो दिया हो। खेल को और मुझे आपके जादू की कमी खलेगी। मुझे अब यह एहसास होने लगा है कि मेरी पीढ़ी के खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल को अलविदा कहने लगे हैं और कोई भी चीज आपको इसके लिए तैयार नहीं करती।'

एनएसडब्ल्यू ओपन के फाइनल में पहुंचीं रतिका, अब शाहीन से खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी रतिका सुथांथरा सीलन ने सिडनी में खेले जा रहे एनएसडब्ल्यू ओपन में न्यूजीलैंड की छठी वरीयता प्राप्त एम्मा मर्सन पर सीधे गेम में जीत हासिल करके अपने चौथे पीएसए फाइनल में प्रवेश किया। पिछले सप्ताह नॉर्थ कोस्ट ओपन की सेमीफाइनलिस्ट रहीं दूसरी वरीयता प्राप्त रतिका ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एम्मा को 32 मिनट में 11-9, 11-7, 11-6 से हराया। विश्व रैंकिंग में 180वें स्थान पर काबिज तमिलनाडु की यह 24 वर्षीय खिलाड़ी इस चैलेंजर प्रतियोगिता के खिताब के लिए कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त इमान शाहीन से भिड़ेंगी।

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE
Smt. M. A. BARALIYA, ADDL. MEMBER,
MACT, 4th Floor, Room No. 411
(New G+9, building) DISTRICT COURT,
AKASHWANI CHOWK, NAGPUR
C.P. No. 739/24 Fixed For : 27/11/2025
Process No. 6456
Petitioner : Sabir
versus
Respondent : M/s Bindu

To,
M/s M. S. Bindu,
Finance & Leasing Pvt. Ltd.
Basement AB-26 Shalimar Bagh,
North West delhi 110088.

Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/sec. 166 of Motor Vehicle Act,

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble Addl. Member, M.A.C.T**, Nagpur in person or by a pleader duly instructed on **dated 27/11/2025 at 11:00 A.M.** to show cause in the said above noted Claim Petition failing wherein the said petition will be heard and determined ex-parte in your absence. Given under my hand and the seal of the court, that **15th day of September, 2025.**

Seal **Registrar(Judl.) M.A.C.T., Nagpur.**

Vision4media 9767867322

असम राइफल्स हाफ मैराथन का पाँचवाँ संस्करण 14 दिसंबर को शिलांग में होगा आयोजित

20 लाख रुपए की इनामी राशि, जर्सी, मेडल और रूट का अनावरण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत की सबसे पुरानी अर्धसैनिक बलों में से एक असम राइफल्स द्वारा आयोजित "असम राइफल्स हाफ मैराथन" का पाँचवाँ संस्करण इस वर्ष 14 दिसंबर को मेघालय की राजधानी शिलांग में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर शनिवार को नई दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें इस बहुप्रतीक्षित खेल आयोजन की जानकारी दी गई। असम राइफल्स, जो गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत है और वर्ष 1835 में स्थापित हुई थी, ने इस आयोजन की शुरुआत 2021 में फिटनेस, आपसी सौहार्द और जनता के साथ जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की थी। इस बार की मैराथन में लगभग 3,000 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जो 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी की तीन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 12 वर्ष से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के धावक इसमें भाग ले सकेंगे। विजेताओं के लिए कुल 20 लाख रुपए की इनामी राशि रखी गई है। इस अवसर पर आयोजकों ने इस वर्ष की जर्सी (ग्रे और मैरून रंग की), फिनिशर मेडल और दौड़ के रूट का भी अनावरण किया।

डीजी असम राइफल्स का संदेश पूर्वोत्तर भारत का प्रतीक्षित रनिंग इवेंट

मुख्यालय डीजी असम राइफल्स के प्रतिनिधि कर्नल नवजोत सिंह (एसएम) ने कहा, "असम राइफल्स हाफ मैराथन का पाँचवाँ संस्करण 14 दिसंबर को अपर शिलांग में आयोजित किया जाएगा। यह अब पूर्वोत्तर भारत में सबसे अधिक प्रतीक्षित रनिंग इवेंट बन चुका है, जिसमें 3000 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इस वर्ष इनामी राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया गया है। हमारा उद्देश्य फिटनेस और सौहार्द को बढ़ावा देना है तथा जनता को हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिटर इंडिया' के दृष्टिकोण से जोड़ना है।" कार्यक्रम के दौरान प्रशांत कुमार (टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स), प्रसिद्ध ट्रैवल राइटर हिमांशु तलवार और इनोवेटिव स्पोर्ट्स एंड लीजर एलएलपी के संस्थापक एवं सीईओ कृष्णकांत दुबे भी मौजूद रहे।

पंजीकरण और श्रेणियाँ

जो भी प्रतिभागी इस दौड़ का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे असम राइफल्स की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को गुडी बैग, फिनिशर मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा जिसमें उनकी टाइमिंग और दौड़ी गई दूरी का उल्लेख होगा। 5 किमी रन सभी आयु वर्ग के लिए खुली है। 10 किमी रन में छह आयु वर्ग (12–18, 18–30, 30–40, 40–50, 50–60 और 60+) शामिल होंगे। 21 किमी हाफ मैराथन में पाँच आयु वर्ग (18–30, 30–40, 40–50, 50–60 और 60+) भाग ले सकेंगे।

असम राइफल्स: एक गौरव

असम राइफल्स की स्थापना वर्ष 1835 में की गई थी। इसका मुख्य कार्य काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशन, आंतरिक सुरक्षा और सीमा सुरक्षा है। यह बल पूर्वोत्तर भारत में शांति और स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा प्राकृतिक आपदाओं के समय मानवीय सहायता और राहत कार्यों में भी अग्रणी रहता है।

वर्ल्ड ऑफ वर्ड्स कंसल्टिंग के बारे में

साल 2023 में स्थापित वर्ल्ड ऑफ वर्ड्स कंसल्टिंग एक अग्रणी जनसंपर्क और कंटेंट सॉल्यूशन फर्म है, जो देशभर में मीडिया सेवाएँ, कंटेंट निर्माण, विज्ञापन लेखन और मॉनिटरिंग की सेवाएँ प्रदान करती है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू अंगोला व बोत्सवाना की यात्रा पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय राजकीय यात्रा पर रवाना हुईं। यह यात्रा अफ्रीकी क्षेत्र में दोनों देशों के साथ सहयोग और साझेदारी बढ़ाने के नए रास्ते खोलने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा होगी। अपनी यात्रा के पहले चरण में, मुर्मु अंगोला की राजधानी लुआंडा पहुंचेंगी और आठ से 11 नवंबर के बीच उच्च स्तरीय बैठकें करेंगी।

भारतीय एनजीओ को मिला मैग्सेसे पुरस्कार

मनीला। भारत की गैर-लाभकारी संस्था (एनजीओ) 'एजुकेट गर्ल्स' को प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे सम्मान मिला है। संस्था ने यह सम्मान उन हजारों क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और युवा मार्गदर्शकों को समर्पित किया है, जिन्होंने देश की लाखों लड़कियों को स्कूल वापस लाने में मदद की है। इस पुरस्कार की घोषणा 31 अगस्त को की गई थी। फिलीपींस की राजधानी में शुक्रवार को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्था की स्थापना साल 2007 में हुई। यह यूपी, राजस्थान, एमपी और बिहार के तीस हजार से अधिक गांवों में काम कर रही है।

माली में पांच भारतीयों का अपहरण

बमाको। माली में बढ़ती हिंसा और आतंकी गतिविधियों के बीच पांच भारतीय नागरिकों का अपहरण कर लिया गया। यह जानकारी उनकी कंपनी और सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को दी। बंदूकधारियों ने इन भारतीयों को माली के पश्चिमी इलाके कोबरी के पास से अगवा किया। ये सभी एक ऐसी कंपनी में काम करते थे जो वहां बिजलीकरण से जुड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है। बाकी भारतीय कर्मचारियों को राजधानी बमाको सुरक्षित पहुंचा दिया गया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है।

नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

तेल अवीव। तुर्किये ने घोषणा की है कि उसने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनके साथ कई दूसरे सीनियर इजराइली अधिकारियों के खिलाफ नरसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इस्तांबुल अभियोजक कार्यालय के मुताबिक, इजराइल के 37 अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गये हैं, जिनमें इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर और सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर शामिल हैं। वहीं, इजराइल ने इसे 'पीआर स्टंट' कहा है। इजराइल ने इसकी निंदा की है।

अमेरिका से टैरिफ तनाव के बीच भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ी

तेजस विमानों के लिए 113 जेट इंजन खरीदेगा एचएएल, जीई एयरोस्पेस के साथ हुआ 'करार'

एचएएल ने बताया कि यह समझौता जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) के साथ इंजन और सपोर्ट पैकेज की खरीद के लिए किया गया है, जो तेजस एलसीए मार्क-1ए कार्यक्रम के निष्पादन में अहम भूमिका निभाएगा। वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ माने जाने वाले मिग-21 की विदाई के बाद लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सार्वजनिक कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस के साथ अपने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 113 जेट इंजनों की खरीद का बड़ा करार किया है। यह समझौता भारतीय उत्पादों के आयात पर अमेरिका में 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाए जाने से दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच हुआ है।

इस करार के तहत एचएएल अपने स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 97 विमानों में लगाए जाने वाले 113 जेट इंजनों की खरीद करेगा।

ये एफ404-जीई-आईएन20 इंजन स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए एमके1ए के लिए होंगे। अधिकारियों के अनुसार, एफ404-जीई-आईएन20 इंजन की आपूर्ति वर्ष 2027 से शुरू होगी और 2032 तक पूरी की जाएगी।

इस सौदे के साथ भारत की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को एक और मजबूती मिलेगी।

सितंबर में 62370 करोड़ की डील पर साइन

इंजन की आपूर्ति वर्ष 2027 से शुरू होगी

2032 तक सभी इंजन एचएएल को मिलेंगे

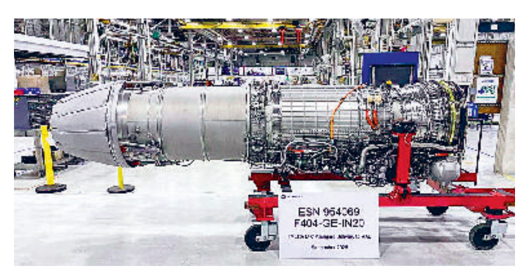

जीई एयरोस्पेस का एफ404-आईएन20 इंजन

62,370 करोड़ के सौदे पर हस्ताक्षर

इससे पहले, रक्षा मंत्रालय ने सितंबर में 62,370 करोड़ रुपए के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदे जाएंगे। इन विमानों के इंजन अब जीई एयरोस्पेस से प्राप्त किए जाएंगे। एचएएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समझौते के बाद उत्पादन लाइन को तेज करने की तैयारी की जा रही है ताकि वायुसेना को निर्धारित समय सीमा में विमान सौंपे जा सकें।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए एमके1ए

नए तेजस में लगेंगे इंजन

एचएएल ने बताया कि यह समझौता जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) के साथ इंजन और सपोर्ट पैकेज की खरीद के लिए किया गया है, जो तेजस एलसीए मार्क-1ए कार्यक्रम के निष्पादन में अहम भूमिका निभाएगा। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ माने जाने वाले मिग-21 की विदाई के बाद लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करने के लिए चल रही कवायद के बीच भारत और अमेरिका के बीच यह समझौता हुआ है।

स्वदेशी रूप से विकसित है तेजस

तेजस भारतीय वायुसेना के लिए एक स्वदेशी रूप से विकसित सिंगल-इंजन, मल्टी-रोल फाइटर जेट है। इसे उच्च खतरे वाले हवाई माहौल में संचालित करने की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। यह विमान हवाई सुरक्षा, समुद्री निगरानी और सटीक हमले जैसे कई मिशनों को अंजाम देने में सक्षम है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को नई गति देगा। इन इंजनों के निर्माण और रखरखाव में भारत की तकनीकी क्षमता और उत्पादन नेटवर्क को भी व्यापक लाभ मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तेजस एमके-1ए भारत की रक्षा तैयारियों का अहम हिस्सा है। यह विमान अत्याधुनिक एवियोनिक्स और हथियार प्रणालियों से लैस है, जो इसे किसी भी आधुनिक वायुसेना के बराबर खड़ा करता है।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम

कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने मुठभेड़ में 2 आतंकी मारे

फाइल फोटो : भारतीय सेना

एजेंसी ▶▶ कुपवाड़ा

कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक बार फिर पाकिस्तान की घुसपैठ की कोशिश को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया है। 8 नवंबर को सेना के अधिकारियों ने बताया कि लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के केरन सेक्टर में 7 नवंबर को देर रात आतंकवादियों के एक ग्रुप ने अंधेरे का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश की, लेकिन सतर्क जवानों ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। 3 अन्य घुसपैठिए या तो पाकिस्तान की ओर लौट गए या इलाके में छिपे हो सकते हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से मिली खास सूचना के बाद पहले ही एक जॉइंट ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था।

आतंकियों की पहचान की जांच जारी

अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन से संबंध की जांच की जा रही है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि वे किस आतंकी संगठन से जुड़े थे। चिनार कोर ने पहले ही एक्स पर कहा था कि 7 नवंबर 2025 को एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर केरन सेक्टर में जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया गया था। संदिग्ध गतिविधि देखते ही आतंकियों ने फायरिंग शुरू की, जिसके बाद संपर्क स्थापित हुआ और ऑपरेशन जारी है। सेना का कहना है कि यह घुसपैठ रोकने की कार्रवाई न सिर्फ नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा की सफलता है, बल्कि पाकिस्तान की लगातार नाकाम हो रही साजिशों का भी सबूत है।

केरन सेक्टर में सर्च ऑपरेशन जारी

सेना के प्रवक्ता ने बताया कि अभी ऑपरेशन जारी है और इलाके में अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी गई है। आशंका जताई जा रही है कि मारे गए आतंकवादियों के तीन साथी या तो पाकिस्तानी इलाके में भाग निकले या अब भी जंगल में छिपे हैं। सेना के जवानों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई ने पाकिस्तान की एक बड़ी घुसपैठ साजिश को नाकाम कर दिया।

एएमएसएस में आई थी तकनीकी समस्या

दिल्ली एयरपोर्ट पर 36 घंटे बाद धीरे-धीरे से सुधर रहे हालात, डीजीसीए ने शुरू की जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में एयरपोर्ट पर लगभग 36 घंटे पहले हुई बड़ी तकनीकी खराबी के बाद शनिवार को हालात में सुधार देखा गया। शनिवार को कुल 129 उड़ानें (53 आगमन और 76 प्रस्थान) देरी से चल रही हैं। गुरुवार शाम को दिल्ली एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सिस्टम में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। यह समस्या ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में आई, जो उड़ानों की योजना (फ्लाइट प्लानिंग) से जुड़ा एक अहम हिस्सा है।

जीपीएस सिग्नल की गड़बड़ी भी कारण

एयरपोर्ट का एटीएस टॉवर

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन घटनाओं का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पायलटों ने बताया कि यह गड़बड़ी दिल्ली से 60 नॉटिकल मील (लगभग 110 किमी) की सीमा में ज्यादा दिखाई दी। यह बात सामने आ रही है कि जीपीएस सिग्नल की गड़बड़ी भी एक बड़ा कारण है।

465 जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं हुईं — *नवंबर 2023 से फरवरी 2025 के बीच 465 जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र (अमृतसर और जम्मू) में दर्ज की गईं। जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है।*

अरुणाचल में खोजी 'होया' पौधों की दो दुर्लभ प्रजातियां

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने बताया कि बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (बीएसआई) के क्षेत्रीय केंद्र के वैज्ञानिकों ने राज्य में होया पौधों की दो दुर्लभ प्रजातियां खोजी हैं। यह खोज राज्य की पुष्पीय विविधता के दस्तावेजीकरण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। होया चिंगहुंगेंसिस प्रजाति को भारत में पहली बार दर्ज किया गया है, जबकि होया एक्यूमिनाटा प्रजाति को पहली बार अरुणाचल प्रदेश में पाया गया है। उन्होंने बीएसआई रीजनल सेंटर, ईटानगर की पूरी टीम को इस अद्भुत वैज्ञानिक योगदान के लिए हार्दिक बधाई दी।

गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों की यूएस में 'एंट्री' प्रतिबंधित

नई दिल्ली। डायबिटीज और कैंसर समेत कई बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए अमेरिकी वीजा पाना थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वीजा नीति में कुछ बदलाव किए हैं। इसके अनुसार हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा और मेंटल हेल्थ से जूझ रहे लोगों को अमेरिकी वीजा के लिए मना किया जा सकता है। ट्रंप सरकार की ओर से जारी निर्देश के अनुसार अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन करने वाले विदेशी नागरिकों को हृदय रोग, श्वसन रोग, कैंसर, डायबिटीज, मोटापा, न्यूरोलॉजिकल और मेंटल हेल्थ जैसी दिक्कतों की वजह से वीजा देने से मना भी किया जा सकता है। अमेरिका के केएफएफ हेल्थ न्यूज के अनुसार संबंधित विभाग को लगता है कि इन बीमारियों से ग्रसित लोग दूसरों के लिए बोझ बन सकते हैं। इसके साथ ही अमेरिकी संसाधनों पर भी इसका बुरा असर होगा। इसलिए अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास को ये निर्देश दिया गया है।

टाइम आउट सिटी लाइफ इंडेक्स 2025 जारी

एशिया का सबसे खुशहाल शहर बना मुंबई, टॉप-10 में चीन के दो शहर भी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाइम आउट के सिटी लाइफ इंडेक्स 2025 में दुनिया भर के 18,000 से ज्यादा लोगों से पूछा गया कि वे अपने शहरों में कितने खुश हैं। इस सर्वे में शामिल लोगों ने अपने शहरों को उनकी कल्चर, नाइटलाइफ, फूड, लाइफस्टाइल और पांच बातों के आधार पर रेटिंग दी, जैसे कि क्या उनका शहर उन्हें खुश रखता है और क्या स्थानीय लोग सकारात्मक हैं।

मुंबई को साल 2025 में एशिया का सबसे खुशहाल शहर घोषित किया गया है। 94 फीसदी मुंबईकर का कहना है कि उनका शहर उन्हें खुश रखता है। ताजा सर्वे के मुताबिक, 89% लोग मुंबई में कहीं और की तुलना में ज्यादा खुश महसूस करते हैं। 88% लोगों का कहना है कि शहर के लोग खुशमिजाज दिखते हैं। 87% लोगों का मानना है कि हाल ही में मुंबई में खुशियां बढ़ी हैं। इस सूची में दूसरे और तीसरे नंबर पर चीन के शहर बीजिंग और शंघाई हैं। जिनमें क्रमशः 93 और 92 फीसदी लोगों का कहना है कि उन्हें उनका शहर खुश रखता है। इसके अलावा चियांग माई, थाईलैंड; हनोई, वियतनाम; जकार्ता, इंडोनेशिया; हांगकांग; बैंकॉक, थाईलैंड; सिंगापुर और सियोल, दक्षिण कोरिया शामिल है। एशिया के सबसे खुशहाल शहरों में एक बात समान है, वो हैं समुदाय की एक मजबूत भावना और रोजमर्रा की जिंदगी में खुशी, जो यह साबित करती है कि खुशी आराम के साथ-साथ जुड़ाव पर भी निर्भर करती है।

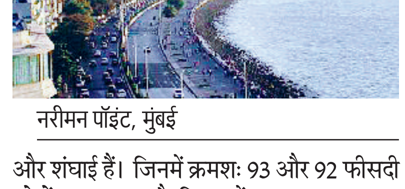

नरीमन पॉइंट, मुंबई

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109